PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 301 ● भिलाई, शुक्रवार 12 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

क्या यूएस नेवी को पता थी राष्ट्रीयता?

ईरान-अमेरिका जंग के बीच तीन भारतीय नाविकों की मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच जंग बीते 104 दिनों से जारी है। होर्मुज के आसपास तनावपूर्ण माहौल में मिसाइलों और अन्य हथियारों से लगातार गोलीबारी हो रही है। ओमान के तट के पास एक जहाज- एमटी सेंट्रेबेलो पर हुए हमले में कई लोगों ने जान गंवाई है, इसमें तीन भारतीय भी शामिल हैं। जिन तीन भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हुई है, इसमें एक उत्तर प्रदेश के देवरिया का है। मौत की पुष्टि होने के बाद परिवार में मातम पसर गया है। जिस जहाज पर हमला हुआ है, वह फिलीपींस के पास बसे देश- पलाऊ के झंडे वाला जहाज है। इस मामले में ओमान में भारतीय दूतावास ने भी बयान जारी किया। सरकार ने कहा, ओमान के शिनस बंदरगाह के पास एक पोत पर हमले की जानकारी मिली है। दूतावास स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। विदेश मंत्रालय (एमईए) की तरफ से भी स्थिति पर नजर रखने और ओमान के अधिकारियों के साथ बचाव प्रयासों का समन्वय करने की बात कही गई। विदेश मंत्रालय ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए तनाव कम करने का आह्वान किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास जिन तीन भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हुई है, इनमें से एक देवरिया जिले के सुरौली गांव का निवासी शिवानंद चौरसिया है। शिवानंद की मौत की खबर सुनकर उनके परिवार में मातम छा गया। परिजनों और पड़ोसियों का रो-रोकर बुरा हाल है। शिवानंद चौरसिया कई महीनों से समुद्र

में काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। उनके जीजा संजय चौरसिया ने बताया कि घटना से कुछ समय पहले ही परिवार ने उनसे बात की थी। संजय ने बताया, शिवानंद के दो बच्चे हैं। उनके पिता रामजी चौरसिया ने भी अंतिम बातचीत याद करते हुए बताया कि शिवानंद ने सब ठीक होने की बात कही थी। उन्होंने बताया कि शिवानंद ने पिछली रात 9 बजे फोन पर सब ठीक होने की बात कही थी। पड़ोसी रोहन शाही ने बताया कि शिवानंद परिवार के एकमात्र कमाने वाले थे। शिवानंद करीब 8-9 महीने पहले काम पर गए थे।

पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में तेजी से बदलती स्थिति के बीच, कुवैत, जॉर्डन और बहरीन ने हवाई रक्षा प्रणालियों द्वारा हवाई लक्ष्यों को रोके जाने पर अलर्ट जारी किया है। ईरानी अधिकारियों ने अमेरिकी हमलों के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है ईरान की सेना- आईआरजीसी ने अमेरिकी हमलों के जवाब में कुवैत के अली अल-सलेम और अहमद अल-जाबेर अड्डों और बहरीन के शेख ईसा एयर बेस सहित 18 'महत्वपूर्ण' अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। आईआरजीसी कमांडर जनरल सैयद माजिद मूसावी ने अमेरिका को चेतावनी दी। मूसावी ने कहा कि अगर अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा को खतरा पहुंचाता रहा तो वे इस क्षेत्र का हाल 'नरक' जैसा कर देंगे।

भीषण आग में घिरा एमटी जलवीर खतरे में 20 नाविकों की जान!

अमेरिका और ईरान के बीच छिड़ी जंग अब भारतीय नाविकों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। ओमान के शिनास पोर्ट के पास गुरुवार को एक और व्यावसायिक जहाज एमटी जलवीर पर हमला हुआ है। इस जहाज पर चालक दल के रूप में 20 भारतीय नाविक तैनात हैं। होर्मुज के पास हो रहे इन हमलों ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार और भारतीय कर्मियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, एमटी जलवीर पर हुए इस हमले के बाद जहाज के चिमनी और इंजन रूम में भीषण आग लग गई है। सोशल मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें जहाज से काला धुआं निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि, राहत की बात यह है कि जहाज पर तैनात सभी 20 भारतीय नाविक सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रक और यात्री बस की आमने-सामने टक्कर, चार लोगों की मौत

बहराइच। बहराइच जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दस अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना उस समय हुई जब एक तेज रफ्तार ट्रक और यात्री बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस घटना में लखनऊ से रुपईडीहा जा रही सवारियों से भरी रोडवेज बस को तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी। इस टक्कर के बाद दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बस में सवार कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें हरदी पुलिस ने मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती करवाया, जहां 3 यात्रियों की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रोडवेज बस लखनऊ से बहराइच होते हुए रुपईडीहा जा रही थी। भगवानपुर चौराहे के करीब सामने से आ रहे तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने बस को टक्कर मार दी।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रमपुरवा भेजा गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया।

भारत ने पहली बार तैनात किए रेडी टू फायर 12 परमाणु हथियार

नई दिल्ली। वैश्विक सुरक्षा और सामरिक संतुलन के बीच भारत की परमाणु रणनीति को लेकर एक महत्वपूर्ण खुलासा सामने आया है। हथियारों और सैन्य क्षमताओं पर नजर रखने वाली प्रतिष्ठित संस्था स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत ने पहली बार 12 परमाणु वॉरहेड को परिचालन (ऑपरेशनल) स्थिति में तैनात किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक भारत परमाणु वॉरहेड और उन्हें लक्ष्य तक पहुंचाने वाले मिसाइल या अन्य प्लेटफॉर्म को अलग-अलग स्थानों पर रखता रहा है। हालांकि हालिया घटनाक्रम संकेत देते हैं कि भारत ने अपनी दशकों पुरानी व्यवस्था में बदलाव करते हुए कुछ परमाणु हथियारों को सीधे डिलीवरी सिस्टम से जोड़ दिया है या उन्हें ऐसे सैन्य ठिकानों पर तैनात किया है जहां से जरूरत पड़ने पर तत्काल इस्तेमाल किया जा सके।

नीट री-एग्जाम से पहले एनटीए दफ्तर पहुंचे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र

नई दिल्ली। मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम नीट का पेपर लीक होने के बाद अब 21 जून को दोबारा परीक्षा आयोजित होने जा रही है। 3 मई को हुई परीक्षा के रद्द होने के बाद देशभर में हुए भारी प्रदर्शन और उठते सवालों के बीच, सरकार अब किसी भी हाल में इस नीट री-एग्जाम को 'लीक प्रूफ' बनाने की पूरी तैयारी में जुटी हुई है। इसी कड़ी में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान खुद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के मुख्यालय पहुंचे और वहां चल रही तमाम व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

बीजेपी या कांग्रेस

किसके साथ जायेंगे बाबुल सुप्रियो?खुद दिया जवाब...

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद से तृणमूल कांग्रेस के भीतर उथल-पुथल जारी है. एक-एक कर टीएमसी के विधायक और सांसद उसका साथ छोड़ते जा रहे हैं. अब तक ञ्जरूष्ट के तीन राज्यसभा सांसद इस्तीफा दे चुके हैं और एक अनुमानित लिस्ट में कई ऐसे बागियों के नाम हैं जो आने वाले दिनों में पार्टी छोड़ सकते हैं. कुछ लोग यह हैं कि अब वह दिन दूर नहीं जब पार्टी में ममता और उनके भतीजे अभिषेक ही रह जायेंगे. इसी बीच तृणमूल कांग्रेस सांसद (राज्यसभा) बाबुल सुप्रियो ने पार्टी में चल रही अंदरूनी उथल-

पुथल और राजनीतिक अटकलों के बीच एक विस्तृत बयान जारी किया है. उन्होंने कहा कि मीडिया लगातार उनसे यह पूछ रहा है कि वे किस खेमे में हैं, जिससे वे थक चुके हैं. सुप्रियो ने स्पष्ट किया कि वह पूरी तरह उस पार्टी और नेतृत्व के साथ खड़े हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने नई दिल्ली में 10 जनपथ पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की।

किल्लत के बीच बढ़ोतरी को मंजूरी

कीमोथेरेपी में इस्तेमाल होने वाली दवाएं होंगी महंगी......

नईदिल्ली। देशभर में कैंसर की दवाओं की किल्लत के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने कीमोथेरेपी में इस्तेमाल होने वाली 2 अहम दवाओं- सिस्प्लैटिन और कार्बोप्लैटिन की कीमत बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। इस कदम से ये स्पष्ट होता है कि पहली बार सरकार ने आधिकारिक तौर पर यह स्वीकार किया गया है कि दवाओं की कमी वास्तविक है और इस पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने 7 जून को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण

(एनपीपीए) को पत्र लिख कीमत बढ़ाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने को कहा है। सरकार ने इस मामले में ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर, 2013 के पैरा 19 का इस्तेमाल करने की मंजूरी दी है। इसके तहत जब सरकार को लगता है कि किसी जरूरी दवा की उपलब्धता प्रभावित हो रही है।

अभिषेक पर क्यों बिफरे कल्याण बनर्जी

वो अहंकारी है,उसके कारण पार्टी खत्म हो गई-कल्याण

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद से तृणमूल कांग्रेस घास के तिनके की तरह बिखरती दिख रही है। इसकी शुरुआत पहले विधानसभा के स्तर पर शुरू हुई, जो राज्यसभा तक जा पहुंची। पिछले तीन दिन में पार्टी के तीन राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा दिया है। अब टीएमसी के बड़े नेता कल्याण बनर्जी के आरोपों ने पार्टी को अंदर तक झकझोर दिया है। दरअसल, कल्याण बनर्जी हस्ताक्षर जालसाजी के मामले में अभिषेक बनर्जी के वकील के तौर पर कोर्ट

की सुनवाई में शामिल हो रहे हैं। लेकिन, इस सुनवाई के दौरान अभिषेक बनर्जी के न मौजूद रहने पर उन्होंने पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी से साफ कहा है कि उनमें और अभिषेक बनर्जी में से एक को चुनें। इस मामले पर विस्तार से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'सीआईडी से जुड़ा यह मामला असल में पहले ही फाइल किया गया था। उन्होंने इसे पहले फाइल किया था। शुक्रवार को वेकेशन बेंच बैठी थी और मैंने पूरे दिन इंतजार किया, लेकिन मामले पर सुनवाई नहीं हुई। उसके बाद, मैंने कोर्ट के सामने इसका जिक्र किया और जज ने कहा कि मामले की सुनवाई बुधवार को होगी। जैसा कि आप जानते हैं, मंगलवार को कैमक स्ट्रीट स्थित उनके (अभिषेक बनर्जी) घर और दीदी के ऑफिस में तलाशी ली गई थी। मैं दिल्ली से आया था और वहां भी गया था। तलाशी के दौरान मैं मौजूद था।

पेट्रोल-सिलिंडर के बाद अब फ्लाइट टिकट भी होगी महंगी,जेट फ्यूल हुआ महंगा

नई दिल्ली। सरकार की नई प्राइस स्टेबलाइजेशन स्कीम के तहत घरेलू एयरलाइंस अब एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतें तीन साल तक के लिए तय कर सकेंगी। इसी बीच सरकारी फ्यूल रिटेलर्स ने जेट फ्यूल की कीमतों में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। नई व्यवस्था के अनुसार, इस स्वैच्छिक योजना को अपनाने वाली एयरलाइंस को एटीएफ के लिए 115 रुपये प्रति लीटर की निश्चित कीमत चुकानी होगी। इससे पहले यह कीमत 104.927 रुपये प्रति लीटर थी। जो एयरलाइंस इस योजना में शामिल नहीं होंगी, वे बाजार आधारित दरों पर ही ईंधन खरीदती रहेंगी।

सुप्रीम कोर्ट की ऐतिहासिक टिप्पणी

महिलाएं सिर्फ होम मेकर नहीं बल्कि नेशन बिल्डर

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत के सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं और हाउसवाइफ के सम्मान में एक बहुत ही महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। जस्टिस संजय करोल की अध्यक्षता वाली बेंच ने स्पष्ट रूप से कहा है कि एक गृहिणी द्वारा किए जाने वाले घरेलू काम और परिवार की देखभाल की सेवाओं की बहुत बड़ी अहमियत होती है। इस अहमियत को समाज में किसी भी कीमत पर बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। अदालत ने अपने इस बड़े फैसले में बहुत ही सख्त और स्पष्ट

टिप्पणी करते हुए कहा कि शादी करने का मतलब घर में नौकरानी लाना बिल्कुल भी नहीं है। घर के जितने भी कामकाज होते हैं, वो पति और पत्नी दोनों की बराबर और साझा जिम्मेदारी होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को सिर्फ होममेकर मानने की पुरानी सोच को पूरी तरह से बदलते हुए उन्हें नेशन बिल्डर का बड़ा दर्जा दिया है। अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने विस्तार से कहा कि एक गृहणी का योगदान सिर्फ उसके परिवार की देखभाल तक ही सीमित नहीं होता है। वो देश के समग्र मानव संसाधन और विशाल राष्ट्र निर्माण में भी बेहद अहम और बड़ी भूमिकाएं निभाती हैं। इसलिए महिलाओं को सिर्फ 'होममेकर' कहने के बजाय सम्मानपूर्वक 'नेशन बिल्डर' कहा जाना चाहिए जिससे उन्हें समाज में उचित दर्जा और सम्मान मिल सके। अदालत ने महिलाओं के शानदार करियर और अधिकारों पर भी बहुत बड़ी और महत्वपूर्ण बात कही है।

वोटिंग से पहले ही आ गया नतीजा!

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत 14 उम्मीदवार निर्विरोध जीते

नई दिल्ली/ एजेंसी

18 जून को होने वाले मतदान से पहले ही 14 उम्मीदवार गुरुवार को निर्विरोध राज्यसभा चुनाव जीत गए। इन उम्मीदवारों के सामने कोई और प्रत्याशी नहीं खड़ा था। निर्विरोध जीतने वाले उम्मीदवारों में 10 भाजपा और 4 कांग्रेस पार्टी से हैं। चुनाव जीतने वालों में कर्नाटक से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पवन खेड़ा शामिल हैं। वहीं, भाजपा के उम्मीदवार सतीश पूनिया, अलका गुर्जर और कांग्रेस के नीरज डांगी राजस्थान से निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। इसके अलावा गुजरात से बीजेपी के सभी चार राज्यसभा उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत चार

उम्मीदवारों को गुरुवार को कर्नाटक से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। खरगे के अलावा कांग्रेस सचिव मंसूर अली खान, पवन खेड़ा और बीजेपी के एम. नागराज भी राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। कर्नाटक से राज्यसभा के चार मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 25 जून को समाप्त हो रहा है। इनमें बीजेपी के इरन्ना कडाडी और नारायण कोरागाप्पा, कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे तथा जनता दल (सेक्युलर) के नेता एच.डी. देवेगौड़ा शामिल हैं। ये चारों सीट खाली होने के कारण चुनाव की घोषणा की गई थी। गुरुवार को सभी चार उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। बता दें कि मध्य प्रदेश में मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद सियासी बवाल मचा हुआ है। इस बीच भाजपा के रजनीश अग्रवाल, तरुण चुघ और महेश केवट की जीत हुई है। वहीं, इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने वाले मामले में दायर की गई पार्टी की याचिका पर सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी थी। बता दें कि आंध्र प्रदेश की 4, झारखंड की 2 और मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल, मिजोरम, महाराष्ट्र, और तमिलनाडु की एक-एक सीट पर 18 जून को वोटिंग होगी। इस चुनाव में कांग्रेस को एक, बीजेपी को 8, जेएमएम को दो और टीवीके को एक सीट पर जीत मिलने की संभावना है। मालूम हो कि 244 सदस्यों वाली राज्यसभा में एनडीए के पास फिलहाल 149 सांसद हैं।

मध्य प्रदेश में भाजपा का 'क्लीन स्वीप', तीनों सीटों पर बिना किसी मुकाबले के दर्ज की जीत

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए हो रहे चुनाव का परिणाम भाजपा के पक्ष में रहा है। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार रजनीश अग्रवाल, तरुण चुग और महेश केवट को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। चुनाव आयोग द्वारा तीनों उम्मीदवारों को जीत का आधिकारिक प्रमाण पत्र भी सौंप दिया गया है। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला तब रोचक हो गया था जब कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को अपना प्रत्याशी बनाया था। हालांकि, 9 जून को स्क्रूटनी के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर अरविंद शर्मा ने तकनीकी आधार पर उनका नामांकन पत्र निरस्त कर दिया। भाजपा ने आरोप लगाया था कि नटराजन ने अपने हलफनामे में तेलंगाना की अदालत में लंबित एक मामले की जानकारी छिपाई है। इसके विपरीत, कांग्रेस का तर्क है कि वह कोई आपराधिक मामला नहीं, बल्कि केवल एक नोटिस था, जिसे हलफनामे में दर्शाना अनिवार्य नहीं था। नामांकन रद्द होने के बाद कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत से चुनाव प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी है। कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने चुनाव आयोग पर भाजपा के 'रबर स्टैंप' के रूप में काम करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि न्याय में देरी की जा रही है, जबकि नामांकन वापसी की अंतिम समय-सीमा खत्म हो गई थी। कांग्रेस अब इस मामले को लेकर संवैधानिक स्तर पर विरोध दर्ज कराने की तैयारी में है।

C M Y K

नगर तथा ग्राम निवेश अंतर्गत गठित समिति की बैठक सम्पन्न

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 17(क) के तहत गठित समिति की बैठक सांसद जांजगीर - चाम्पा कमलेश जांगड़े की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में गिरौदपुरी विकास योजना 2041, पलारी विकास योजना 2041 एवं लवन विकास योजना 2041 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।इस अवसर पर विधायक बिलाईगढ़ कविता प्राण लहरे, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, कलेक्टर कुलदीप शर्मा उपस्थित थे। बैठक में तीनों क्षेत्र में वर्ष 2041 तक विकास योजना को दृष्टिगत रखते हुए विस्तृत चर्चा कर आवश्यक सुझाव दिये गये। विकास योजना में क्षेत्र में पर्यटन विकास, आमोद- प्रमोद के साधन,सडक, औद्योगिक एवं वाणिज्यिक अधोसंरचना, आवासीय परिसर, वृक्षारोपण आदि को शामिल किया गया है। बताया गया कि गिरौदपुरी विकास योजना अंतर्गत 7 ग्राम शामिल है जिनकी कुल जनसंख्या 10600 है।सर्वे टीम द्वारा यहां वर्ष 2041 तक की अनुमानित जनसंख्या के अनुसार विभिन्न विकास योजना तैयार किया गया है जिसमें पर्यटन विकास, आवासीय क्षेत्र एवं अन्य सुविधाएं शामिल है। इसीतरह पलारी विकास योजना अंतर्गत 1 नगर पंचायत एवं 10 ग्राम पंचायत क्षेत्र शामिल है एवं जनसंख्या लगभग 27 हजार है। लवन विकास योजना अंतर्गत 1 नगर पंचायत एवं 17 गांव की लगभग 37 हजार जनसंख्या है।

बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष पलारी गोपी साहु, जनपद अध्यक्षबलौदाबाजार सुलोचना यादव, जनपद अध्यक्ष पलारी सविता यादव, जनपद अध्यक्ष कसडोल कुसुम लता पैकरा सहित समिति के अन्य सदस्य, सरपंच एवं अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष पूर्ण होने पर

पहुना सेतु वेलफेयर फाउंडेशन ने निभाई सामाजिक सहभागिता

तिल्दा-नेवरा। माँ केवल एक परिवार की आधारशिला नहीं होती, बल्कि समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की जननी होती है। एक स्वस्थ माँ ही स्वस्थ परिवार, संस्कारित पीढ़ी और सशक्त भारत का निर्माण कर सकती है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तिल्दा-नेवरा में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में पहुना सेतु वेलफेयर फाउंडेशन ने अपनी सक्रिय एवं सार्थक सहभागिता निभाई। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान प्रत्येक माह की 9 एवं 24 तारीख को आयोजित किया जाता है, जिसके माध्यम से गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। अभियान के सफलतापूर्वक 10 वर्ष पूर्ण होने के इस गौरवपूर्ण अवसर पर फाउंडेशन द्वारा उपस्थित हितग्राहियों को जूस वितरित कर सम्मानित किया गया तथा उनके स्वस्थ एवं सुरक्षित मातृत्व की शुभकामनाएँ प्रेषित की गई। कार्यक्रम में अस्पताल के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ स्वास्थ्य कर्मियों एवं पहुना सेतु वेलफेयर फाउंडेशन के सदस्यों ने मिलकर मातृ स्वास्थ्य एवं जनजागरूकता का संदेश दिया। संस्था का मानना है कि सेवा केवल सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में विश्वास, संवेदना और मानवता को जीवित रखने का संकल्प है। उल्लेखनीय है कि पहुना सेतु वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा शासकीय अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए "पहुना रसोई" सेवा अभियान भी संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत प्रतिदिन रात्रिकालीन भोजन के रूप में दाल, चावल, रोटी, सब्जी, सलाद एवं पौष्टिक आहार मात्र 20 रुपये की सहयोग राशि में उपलब्ध कराया जाता है। यह सेवा उन परिवारों के लिए संबल बन रही है जो उपचार के दौरान आर्थिक एवं सामाजिक चुनौतियों का सामना करते है। मानवता और सेवा भाव से प्रेरित यह पहल आज क्षेत्र में एक अनुकरणीय उदाहरण के रूप में स्थापित हो रही है। संस्था ने कार्यक्रम में आमंत्रित कर सेवा का अवसर प्रदान करने हेतु स्वास्थ्य विभाग, अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों एवं समस्त स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। साथ ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके निरंतर योगदान को नमन किया। पहुना सेतु वेलफेयर फाउंडेशन का संकल्प है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा, सहयोग और संवेदना पहुँचाई जाए। संस्था का विश्वास है कि जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति दूसरों के सुख-दुःख में सहभागी बनेगा, तभी एक संवेदनशील, समृद्ध और मानवीय समाज का निर्माण संभव होगा।

"सेवा केवल दान नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारा कर्तव्य है।"

तीन दिवसीय रामायण कथा में शामिल हुई जनपद सभापति दुखनी, की पूजा-अर्चना

भंवरपुर। ग्राम कोटेंनदरहा के रंगमटिया पारा में आयोजित तीन दिवसीय रामायण कथा एवं धार्मिक कार्यक्रम में जनपद पंचायत सभापति दुखनी भुमेश चौहान शामिल हुईं। उन्होंने कथा स्थल पहुंचकर भगवान श्रीराम, माता सीता एवं हनुमान जी की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सत्य, मर्यादा, कर्तव्य और आदर्शों का मार्ग दिखाने वाला प्रेरणास्रोत है। ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और संस्कारों का प्रसार होता है। कार्यक्रम के दौरान कथा श्रवण करने पहुंचे श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से रामायण कथा का रसपान किया। आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों ने जनपद सभापति दुखनी भुमेश चौहान का स्वागत कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा धार्मिक आयोजन में सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया। तीन दिवसीय रामायण कथा में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

आयोजन को सफल बनाने में ग्रामवासियों एवं कथा समिति के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

प्रधानमंत्री विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत सरोरा में आवास, रोजगार व स्वच्छता का संदेश दिया

तिल्दा-नेवरा। समीपस्थ ग्राम पंचायत सरोरा में बिते सोमवार को प्रधानमंत्री विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत हाई स्कूल सरोरा परिसर में आवास दिवस, रोजगार दिवस एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, जिला पंचायत सभापती शैल महेन्द्र साहू, जिला पंचायत सीईओ कुमार दास रंजन एवं तिल्दा-नेवरा, जनपद अध्यक्ष सोनू मन्हरे, तिल्दा नेवरा सी ई ओ रवि कुमार एवं जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम प्रारंभ होने से पूर्व मनरेगा कार्यों का निरीक्षण किया। शासन द्वारा मनरेगा के तहत ग्रामीणों को 125 दिनों का रोजगार उपलब्ध हो रहा है। साथ ही हर घर तक पेयजल सुविधा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। जल संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए घर-घर सोख्ता गड्ढों (वाटर हार्वेस्टिंग संरचना) का निर्माण कराया जाएगा, जिससे निस्तारी जल का उचित निकासी हो सकेगा। इससे भू-जल स्तर बनाए रखने में मदद मिलेगी तथा गली-मोहल्लों में गंदे पानी के बहाव की समस्या से भी राहत मिलेगी। गांव के शितला मंदिर, पंचायत और स्कूल में सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया । उसके पश्चात पंचायत भवन में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित आवासों का गृह प्रवेश भी कराया गया। लाभार्थियों में गुनीराम साहू, विष्णु साहू एवं कबीर नेताम है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरोरा की सरपंच उमेश्वरी विश्राम साहू, उपसरपंच बसंत सिंह ठाकुर, ग्राम पंचायत परसदा के सरपंच मेघनाथ मारकंडेय, कुंज बिहारी अग्रवाल, पूर्व जनपद सदस्य लेखराम देवांगन, पंचगण में इंदु शेखर शर्मा, स्मिता चतुर्वेदी, उमा कुर्रे, दयाचंद चतुर्वेदी, रमेश पाल, तारचंद पाल, जितेन्द्र वर्मा, रति देवी राजगोड, अंकित साहू, उमा सिंह, नरायण यादव, चंद्र प्रकाश साहू, जय नरायण वर्मा, भुनेश्वरी वर्मा, ओम प्रकाश वर्मा, प्रमिला साहू, सती, तिलक निषाद एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को विकास कार्यों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया।

सुरसाबांधा में स्वच्छता और कचरा प्रबंधन को लेकर विशेष ग्राम सभा आयोजित

गरियाबंद। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों को कचरा मुक्त और आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में तेजी आ गई है। इसी कड़ी में ग्राम सुरसाबांधा में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें जिला सलाहकार ने ग्रामीणों से सीधे रूबरू होकर स्वच्छता नियमों और प्रबंधन की जानकारी साझा की। इस दौरान जिला सलाहकार परवेज हनफी ने सुरसाबांधा में स्थापित गोबरधन प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने प्लांट के संचालन और उससे होने वाले लाभों को लेकर संबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही, पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए प्रधानमंत्री के राष्ट्रव्यापी आह्वान के तहत एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत गांव में वृक्षारोपण भी किया गया और ग्रामीणों को पौधों की देखभाल करने का संकल्प दिलाया गया। ग्राम सभा में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रावधानों पर ग्रामीणों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। जिला सलाहकार ने गांव को पूरी तरह स्वच्छ बनाने के लिए सभी से 04 प्रकार के कचरे गीला, सूखा, सेनेटरी और विशेष देखभाल वाला कचरा को घर पर ही अलग-अलग करने की आदत डालने की अपील की। उन्होंने समझाया कि अगर कचरे को शुरुआत में ही अलग कर लिया जाए, तो उसका निपटान और रिसाइक्लिंग बेहद आसान हो जाती है। इस दौरान ग्रामीणों ने स्वच्छता को लेकर अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कचरा प्रबंधन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों की इस सजगता और उत्साह को देखकर जिला सलाहकार बेहद खुश हुए।

चक्काजामः कलेक्ट्रेट घेराव के बाद भी नहीं मिली बिजली आक्रोशित 528 आदिवासियों ने खून से प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

गरियाबंद। आजादी के सात दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद जिले के मैनपुर विकासखंड के दूरस्थ आदिवासी अंचलों में कई गांव बिजली से वंचित हैं जबकि वर्षों से बिजली की मांग को लेकर ग्रामीण लगातार आंदोलन ज्ञापन चक्काजाम और कलेक्ट्रेट घेराव जैसे लोकतांत्रिक माध्यमों का सहारा लेते रहे हैं लेकिन अफसोस की बात है कि इत्ते साल में भी बिजली पहुंचाने की पहल नहीं हो पाया जिससे हताशा आक्रोश आदिवासियों ने बुधवार को एक बार फिर सड़क की लड़ाई लड़ते प्रधानमंत्री को अपने अपने खुन से पत्र लिखकर मैनपुर विकासखंड के राजापड़ाव क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कोकड़ी गरहाडीह गौरगांव भूतबेड़ा कूचेंगा समेत आसपास के गांवों एवं मजरा टोली में बिजली पहुंचाने की मांग किया है आपको बता दे कि वर्षो पुरानी मांग को लेकर अम्बेडकरवादी युवा संगठन के नेतृत्व मे करीब करीब डेढ़ हज़ार से अधिक ग्रामीण अड़गड़ी गौठान में एकत्रित हुए और 528 ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री को अपने खून से पत्र लिखकर स्पीड पोस्ट किया जिसमे नेतृत्वकर्ता एवं जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम दैनिक मांडवी रामदेव मरकम जितेंद्र मरकाम रविंद्र मरकाम सुंदरलाल मरकाम कमलेश सोरी सोनधर नेताम जैसे 528 लोगो ने अपने खून लेटर लिखते अपनी पीड़ा बताई सबसे दुख की बात तो यह कि बीते सरकार में उल्लेखित 5 पंचायत में बिजली खंबा लग चुका था। गहराडीह में तो सिर्फ कनेक्शन देना बाकी था लेकिन वह बिजली काम पूरा नहीं हुआ बल्की खंबा को निकाल कर लिया जा रहा है। ऐसे में किस तरह बिजली की उम्मीद किया जा सकता है। इसके अलावा पूर्व में किए शोभा पंचायत के आश्रित ग्राम लहटीपारा और अड़गड़ी के चटानपारा एवं गोना के रक्सा पथराव में बिजली नहीं लग पाया है इस बीच नेतृत्व कर रहे जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने कहा कि बिजली की मांग को लेकर कई लोग दुनिया छोड़ चुके है और आज उनके बच्चे भी वही बिजली की मांग को लेकर आंदोलन घरना चक्काजाम कार्यालय घेराव जैसे तमाम तरह के मार्ग अपना चुके हैं लेकिन बिजली नहीं पहुंची है इसलिए आज भावनात्मक तरीके से अपने खून का कतरा से प्रधानमंत्री को पत्र लिखा कियोंकि बिजली नहीं होने के कारण बच्चों की पढ़ाई किसानों की आजीविका और आम जनजीवन में बुरी तरह प्रभावित पड़ता है मतलब आधुनिक दौर में भी आदिवासी अंधेरे में जीवनयापन करने को मजबूर होने की बात संजय नेताम ने कहा इसके अलावा अम्बेडकरवादी युवा संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि शीघ्र ही बिजली की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा आने वाले दिनों में बड़े स्तर पर जनआंदोलन और प्रदर्शन किए जाएंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत आवेदन आमंत्रित

गरियाबंद। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए है। यह जवाहर उत्कर्ष योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करने के लिए है। इसके तहत प्रदेश में संचालित उत्कृष्ट विद्यालयों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक अध्ययन की सुविधा प्रदान की जाती है। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त से प्राप्त जानकारी के अनुसार इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी ऑफलाइन आवेदन कर सकते है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जून निर्धारित की गई है। प्रवेश के लिए प्राक्चयन परीक्षा 05 जुलाई को दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक आयोजित होगी। आवेदन फॉर्म एवं अन्य जानकारी के लिए अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट ट्राइबल डॉट सीजी डॉट जीओवी डॉट इन पर अवलोकन कर सकते हैं।

नगरपालिका द्वारा 511 हितग्राही लाभान्वित

शहरी पथ विक्रेताओं को स्वनिधि मेला में ऋण प्रदाय हेतु किया जा रहा आयोजन

बलौदाबाजार। शहरी पथ विक्रेताओं को आत्मनिर्भर बनाए जाने के लिए शासन की महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत नगर पालिका द्वारा लोक कल्याण स्व-निधि मेला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें छोटे व्यवसाय करने वाले गरीब एवं असंगठित श्रमिक, महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान किया जाना प्रमुख है। नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने नगरीय निकाय में छोटे धन्दा,व्यवसाय के माध्यम से अपने परिवार का जीवको पार्जन करने वाले व्यवसायी शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठाते हुए सरलतम ढंग से लोन प्राप्त कर अपना व्यापार व्यवसाय को और भी आगे बढ़ा सकते हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर के छोटे व्यवसायी जो मुख्य रूप से फल, सब्जी, बैग सिलने, छोटी वेल्डिंग मशीन चलाने, चाय-नाश्ता,टोकनी सुपा झाड़ू, का व्यापार व व्यवसाय करने वाले लोगों को शासन के द्वारा बिना गारंटी के कार्यशील पूंजी पर ऋण प्रदाय किया जा रहा है, जिसमें व्यवसायी को पहले 15,000 का ऋण प्रदाय किया जाएगा, उक्त ऋण को निर्धारित समय पर जमा किए जाने से दूसरा ऋण 25,000 व भुगतान पर तीसरा ऋण 50,000 भी प्राप्त करने के लिए व्यवसायी पात्र होंगे, जिसका ब्याज सब्सिडी 7 प्रतिशत वार्षिक रखा गया है। शहरी क्षेत्र के शहरी पथ विक्रेताओं के लिए स्व- निधि महोत्सव कल्याण मेला का आयोजन किया गया है 17 जून 2026 को नगर भवन में शहरी पथ विक्रेता के लिए ऋण प्रदाय हेतु शासन की महत्वपूर्ण योजना से संबंधित आवेदन प्राप्त कर सकते हैं, इस दौरान सभी बैंक के अधिकृत अधिकारी उपस्थित रहेंगे। व हितग्राही अपना आवेदन निकटतम बैंक, सी एस सी सेंटर अथवा नगर पालिका में या फिर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवश्यक दस्तावेज में नगरी निकाय द्वारा जारी वेडिंग सर्टिफिकेट, वेंडर परिचय पत्र, बैंक खाता पासबुक, एवं आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, व पासपोर्ट साइज फोटो साथ जमा कर सकते हैं। उक्त योजना के अंतर्गत नगरपालिका द्वाराअब तक 511 शहरी पथ विक्रेताओं को लाभान्वित किया जा चुका है, डिजिटल साक्षरता से जोड़ने के साथ ही शहरी शहरी पथ विक्रेताओं वेंडर के अध्यनरत बच्चो को पुरस्कृत करने के साथ ही जो वेंडर समय पर ऋण अदायगी कर अपने व्यापार व्यवसाय को आगे बढ़ाने में निरंतर शासन की योजना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं उन्हें भी सम्मानित किया जाएगा।

प्री बी.एड. एवं प्री नर्सिंग प्रवेश परीक्षा आज, प्री बीएड के लिये 10 एवं प्री नर्सिंग के लिये बनाए गये 4 परीक्षा केन्द्र

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा प्री बी.एड और प्री नर्सिंग की परीक्षाएं प्रदेश भर में 11 जून 2026 को आयोजित की जा रही हैं। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने बुधवार को अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में प्री बी.एड और प्री नर्सिंग परीक्षाओं की तैयारियों की समीक्षा की। डीके कॉलेज में आयोजित ब्रीफिंग में उन्होंने केंद्र अध्यक्षों, पुलिसकर्मियों और ऑब्जर्वरों को परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने केंद्र अध्यक्षों से कहा कि वे गंभीरता के साथ प्रशिक्षण पूर्ण करें। प्रशिक्षण देने का उद्देश्य यही है कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो, इसलिए ड्यूटी के दौरान पूरा एकाग्रचित्त होकर अलर्ट मोड में काम करें।उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र में प्रवेश के दौरान क्या नहीं करना है और क्या करना है की सूची अनिवार्य रूप से चस्पा की जाए। व्यापम द्वारा जारी दिशा निर्देश अनुसार ड्रेस कोड का कड़ाई से पालन कराया जाए। कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र के प्रत्येक परीक्षा कक्ष में अनिवार्य रूप से घड़ी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और घड़ी का समय सही से मिलान कर लिया जाए ताकि परीक्षार्थियों को समय देखने में किसी प्रकार की समस्या न हो और वे समय पर अपना पेपर पूरा कर सकें। फ्रिस्किंग के दौरान अभ्यर्थियों के साथ शालीनता और संवेदनशीलता से व्यवहार किया जाए जिससे उन्हें असहजता न हो। साथ ही अगर किसी विद्यार्थी से कोई त्रुटि हो जाती है या कोई वर्जित सामग्री में साथ पकड़ा जाता हैज तो उससे परीक्षा हॉल से अलग ले जाकर कार्यवाही करें ताकि अन्य विद्यार्थी इससे प्रभावित न हों और उनका ध्यान परीक्षा से न भटके।परीक्षा में बैठने के लिए परीक्षार्थियों को 9 बजे से साढ़े 9 बजे के बीच केंद्र में उपस्थित होना अनिवार्य है।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि यदि कोई परीक्षार्थी केंद्र के आसपास मौजूद हो तो 9 बजे और पुनः 9:20 बजे अंतिम एनाउंसमेंट जरूर कराया जाए ताकि कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा से छूट न जाए। दिशा निर्देश अनुसार परीक्षार्थी हल्के रंग के कपड़े पहनकर आएं, गहरे काले, गहरे नीले, भूरे या गहरे बैंगनी रंग के वस्त्र वर्जित रहेंगे। जूते पहनकर आना मना है, केवल चप्पल की अनुमति होगी। परीक्षार्थी गहने-जेवर न पहनें और फुल आस्तीन के स्थान पर आधी आस्तीन के कपड़े पहनें।परीक्षा में किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर, मोबाइल, हेड फोन या अन्य चीजें ले जाना अनुमति नहीं होगी। निर्देशों का प्लान न करने पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। जिले में 11 जून 2026 को आयोजित प्री बी.एड और प्री नर्सिंग परीक्षा के लिए कुल 10 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्री बी.एड की परीक्षा में 1814 परीक्षार्थी और प्री नर्सिंग की परीक्षा में 980 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा की सुचारू व्यवस्था के लिए एक नोडल दो सहायक नोडल ,केंद्राध्यक्ष , सहायक केंद्राध्यक्ष , हर केंद्र में एक -एक प्रशासनिक ऑब्ज़र्वर ,परीक्षा समन्वयक की ओर से ऑब्ज़र्वर , जाँच हेतु प्रत्येक केन्द्र में दो पुलिसकर्मी सहित 80 से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

संक्षिप्त समाचार

राशनकार्ड के लिए अब नहीं लगाने होंगे चक्कर,सेवा-सेतु पोर्टल से करें आवेदन

रायपुर। जिले के आम नागरिकों के लिए राशनकार्ड संबंधी सेवाओं को और अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से प्रशासन ने सेवा-सेतु पोर्टल (ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध करा दी है। अब अंत्योदय, प्राथमिकता, एकल निराश्रित एवं निःशक्तजन श्रेणी के नवीन राशनकार्ड जारी कराने, राशनकार्ड में सदस्य जोड़ने तथा नाम विलोपन के लिए नागरिक स्वयं घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। यह सुविधा सभी लोक सेवा केंद्रों के साथ-साथ स्थानीय निकायों और आम नागरिकों के लिए भी उपलब्ध है।खाद्य अधिकारी रविशंकर कोमरा ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन के दौरान हितग्राही को आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे, जिसके बाद आवेदन रसीद क्रमांक स्वतः जनरेट होगा। लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से आवेदन करने पर निर्धारित 30 रुपये शुल्क देय होगा। आवेदन प्राप्त होने के बाद सत्यापनकर्ता अधिकारी द्वारा जांच, अनुशंसा और डिजिटल हस्ताक्षर के साथ प्रकरण स्वीकृतकर्ता अधिकारी को भेजा जाएगा। नियमानुसार परीक्षण एवं पात्रता की पुष्टि के उपरांत राशनकार्ड जारी करने की स्वीकृति प्रदान की जाएगी तथा अधिकृत अधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर अंकित किए जाएंगे राशनकार्ड स्वीकृत होने के बाद उसका पीडीएफऑनलाइन जनरेट किया जाएगा, जिसे संबंधित कार्यालय अथवा लोक सेवा केंद्र से प्रिंट कर हितग्राही को उपलब्ध कराया जाएगा। हितग्राही स्वयं भी सेवा-सेतु पोर्टल से राशनकार्ड डाउनलोड कर प्रिंट निकाल सकते हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राशनकार्ड प्राप्त करने के बाद मुखिया एवं सभी दर्ज सदस्यों को उचित मूल्य दुकान में ई-पॉस मशीन अथवा फेस ई-केवाईसी के माध्यम से अनिवार्य रूप से ई-केवाईसी कराना होगा, ताकि सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त हो सके।

रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने रेडक्रॉस सोसाइटी के लिए दी सहयोग राशि

रायपुर। रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (राडा) ने रेडक्रॉस सोसाइटी के लिए 1 लाख रूपए की सहयोग राशि कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह को सौंपा। इस अवसर पर रायपुर ऑटोमोबाईल डीलर्स एसोसिएशन (राडा) के अध्यक्ष रविंदर भसीन, उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी, फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाईल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक गर्ग तथा अभिनव ग्रेवे उपस्थित थे। रेडक्रॉस सभाकक्ष में कार्यक्रम के दौरान राडा के अध्यक्ष रविंदर भसीन ने कलेक्टर डॉ. सिंह को संस्था द्वारा समय-समय पर किए जा रहे विभिन्न सामाजिक कार्यों एवं सीएसआर गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राडा केवल ऑटोमोबाइल व्यवसाय तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्वों का भी निरंतर निर्वहन करती रही है। हाल ही में संस्था द्वारा दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए संचालित विद्यालय को एक बस प्रदान की गई थी। इसके अतिरिक्त राडा द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान, हेलमेट जागरूकता कार्यक्रम, यातायात सुरक्षा से जुड़े विभिन्न आयोजन तथा अन्य अनेक सामाजिक एवं जनहितकारी गतिविधियां लगातार संचालित की जाती रही हैं। कलेक्टर ने राडा के इस योगदान के लिए संस्था का आभार व्यक्त किया तथा समाज सेवा के प्रति उसकी सकारात्मक सोच और निरंतर किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उद्योग एवं व्यापारिक संस्थाओं की ऐसी सहभागिता समाज के कमजोर वर्गों तक सहायता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस दौरान निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, आरटीओ आशीष देवांगन तथा सीएमएचओ डॉ मिथलेश चौधरी उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में सनसनीखेज खुलासा, पीड़िता के दादा समेत 3 गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर ग्रामीण पुलिस ने नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के मामले में बड़ा खुलासा करते हुए पीड़िता के दादा समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि दुष्कर्म के मामले को दबाने के लिए आरोपियों से 1.30 लाख रुपये की रकम ली गई थी।जानकारी के अनुसार, चौकी सिलयारी क्षेत्र में 18 अप्रैल 2026 को दर्ज दुष्कर्म प्रकरण की गहन विवेचना के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले। जांच में पता चला कि पीड़िता के दादा ने आरोपी ईश्वर घृतलहरे के परिजनों से घटना को छिपाने के एवज में 1 लाख 30 हजार रुपये नकद प्राप्त किए थे। इस लेन-देन का वीडियो भी सामने आया है। इतना ही नहीं, दूसरे आरोपी को धन कर धमकाने की बात भी जांच में उजागर हुई है।पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच के दौरान पीड़िता के दादा ने अपनी नातिन के साथ किसी भी प्रकार की घटना होने से इनकार किया था। बाद में शासन से मिलने वाली सहायता राशि की जानकारी मिलने पर उन्होंने मामले की पुनः जांच कराने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। मामले में गंभीर लापरवाही और धन लेकर अपराध दबाने के आरोप में पुलिस ने पीड़िता के दादा, सीताराम मेडिकल स्टोर के संचालक चन्द्रशेखर यदु और टुकेन्द्र वर्मा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी दादा के पास से 1 लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। वहीं, दुष्कर्म के दोनों मुख्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मामले की जांच जारी है।

अवैध रेत उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई : तीन चैन माउंटेन मशीन और एक हाईवा वाहन जप्त

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में खनिज संसाधनों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग की केंद्रीय खनि उड़नदस्ता एवं जिला स्तरीय संयुक्त टीम द्वारा जिला गरियाबंद में बड़ी कार्रवाई की गई है।खनिज विभाग के सचिव और संचालक के निर्देशानुसार केंद्रीय खनि उड़नदस्ता की संयुक्त टीम ने दिनांक 08 जून 2026 को औचक निरीक्षण के दौरान जिला गरियाबंद के तहसील राजिम अंतर्गत ग्राम कुरुसकरा स्थित पैरी नदी में गौण खनिज साधारण रेत के अवैध उत्खनन एवं मशीनों के माध्यम से नियम विरुद्ध रेत उत्खनन का मामला पाया। जांच के दौरान खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 के तहत कार्रवाई करते हुए तीन चैन माउंटेन मशीनों को जप्त कर सील किया गया। साथ ही खदान संचालक एवं मशीन मालिकों को जवाब प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी किया गया है।

अंजोर विजन-2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विभागीय समन्वय

छत्तीसगढ़ को विकसित राज्यों की अग्रिम पंक्ति में लाना हमारा लक्ष्य

- डेटा आधारित नीति निर्माण और प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर
- बस्तर अंजोर के माध्यम से बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी संभाग बनाने की दिशा में होंगे नवाचारपूर्ण प्रयास

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ''अंजोर विजन-2047'' के माध्यम से छत्तीसगढ़ को विकसित राज्यों की अग्रिम पंक्ति में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण केवल योजनाओं के निर्माण से नहीं, बल्कि विभागों के बीच बेहतर समन्वय, सटीक आंकड़ों पर आधारित नीति निर्माण और परिणामोन्मुखी कार्यसंस्कृति से संभव होगा। नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग में आयोजित स्टेट सपोर्ट मिशन प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट एवं मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन यूनिट्स के इंडक्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री मिश्रा ने कहा कि राज्य नीति आयोग द्वारा तैयार ''अंजोर विजन-2047'' राज्य के दीर्घकालिक विकास का व्यापक रोडमैप है, जिसमें आर्थिक विकास, सुशासन, सामाजिक प्रगति, निवेश संवर्धन और मानव विकास से जुड़े स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्य और अंजोर विजन-2047 एक-दूसरे के पूरक हैं तथा दोनों का मूल उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी विभागों को

अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों को इन लक्ष्यों के अनुरूप क्रियान्वित करना होगा। इस दिशा में राज्य नीति आयोग के अंतर्गत गठित स्स्रू क्क्तु एवं रूश्च इकाइयां महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। श्री मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने नीति आयोग के स्ष्ठत्र इंडिया इंडेक्स 2023-24 में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। अब राज्य का लक्ष्य केवल सूचकांकों में सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन लाना है। उन्होंने कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि कृषि उत्पादकता, औद्योगिक विकास, महिला श्रम भागीदारी, डिजिटल अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य नीति आयोग के साथ कार्य कर रही विशेषज्ञ टीमों को विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर च्क्तु आधारित समीक्षा, नीति विश्लेषण, निगरानी एवं मूल्यांकन तथा साक्ष्य आधारित सुझावों के माध्यम से विकास की गति को और तेज करना होगा। उन्होंने अधिकारियों एवं विशेषज्ञों से नवाचार, जवाबदेही और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली अपनाने का आह्वान किया। उपाध्यक्ष श्री मिश्रा ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और राज्य नीति आयोग के संयुक्त प्रयासों से अंजोर विजन-2047 के लक्ष्य निर्धारित समयावधि में प्राप्त किए जा सकेंगे तथा छत्तीसगढ़ समावेशी, सतत और विकसित राज्य के रूप में नई पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2026 राज्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा, जब छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्त हुआ। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के उस संकल्प का उल्लेख किया, जिसमें बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी संभाग बनाने की बात कही गई थी। श्री मिश्रा ने कहा कि बस्तर संभाग राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

खेत बचाओ अभियान में जुटे 300 किसान जैविक खेती को लेकर जागरूकता सम्मेलन

- रासायनिक खेती छोड़ जैविक खेती अपनाएं, यही भविष्य की खेती : स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

रायपुर/ संवाददाता

जैविक खेती मिशन योजना के अंतर्गत खेत बचाओ अभियान के तहत मनेंद्रगढ़ ने एक दिवसीय जिला स्तरीय जागरूकता एवं कृषक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में जिले भर से लगभग 300 किसानों ने भाग लेकर जैविक एवं प्राकृतिक खेती, उन्नत कृषि तकनीकों तथा मृदा संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, जनप्रतिनिधियों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को खेती की बदलती चुनौतियों और उनके समाधान से अवगत कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल थे। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति लगातार कम हो रही है, जिसका असर फसलों की गुणवत्ता के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करते हुए जैविक और प्राकृतिक

खेती की ओर अग्रसर हों। उन्होंने कहा कि जैविक खेती केवल खेती की पद्धति नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आर्थिक समृद्धि का आधार है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने किसानों से इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ खेती करने का आग्रह किया। उद्यानिकी महाविद्यालय चिरमिरी से आए वैज्ञानिक सुजीत कुमार राय एवं शुभम कुमार ठाकुर ने किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों, उन्नत फसल प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण तथा उत्पादन बढ़ाने के प्रभावी उपायों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने किसानों को बदलते मौसम और जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप कृषि पद्धतियां अपनाने की सलाह दी। कृषक सम्मेलन का उद्देश्य किसानों को रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित करना तथा कृषि को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल बनाना रहा।

जल जीवन मिशन ने बदली जशपुर के वनांचल ग्राम पुटुकेला की तस्वीर

- 60 किलोमीटर दूर स्थित गांव में अब हर घर तक पहुंच रहा शुद्ध पेयजल, 134 परिवारों को मिली बड़ी राहत

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित जल जीवन मिशन दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में भी जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखंड स्थित ग्राम पुटुकेला इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है, जहां आज प्रत्येक परिवार को घर पर ही नल के माध्यम से नियमित शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो रहा है। जिला मुख्यालय से लगभग 60 से 70 किलोमीटर दूर घने जंगलों के बीच बसे इस वनांचल ग्राम में भौगोलिक चुनौतियों के बावजूद जल जीवन मिशन के अंतर्गत सुदृढ़ पेयजल व्यवस्था विकसित की गई है। ग्राम में स्थापित चार उच्च स्तरीय जलागारों के माध्यम से 134 फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शनों द्वारा सभी परिवारों तक नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल पहुंचाया जा रहा है। जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन से पहले ग्रामवासी पेयजल के लिए कुओं एवं अन्य पारंपरिक जल स्रोतों पर निर्भर थे। महिलाओं और बच्चों को प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर पानी लाना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों की अधिक खपत होती थी। गर्मी के मौसम में जल स्रोतों में पानी की कमी और वर्षा ऋतु में जल की गुणवत्ता प्रभावित होने से ग्रामीणों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इसके साथ ही जलजनित बीमारियों का खतरा भी बना रहता था। मिशन के तहत पाइपलाइन नेटवर्क बिछाकर प्रत्येक घर तक नल कनेक्शन पहुंचाया गया है। अब ग्रामीणों को पेयजल के लिए दूर-दराज के स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। घर पर ही नियमित और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होने से ग्रामीणों के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव आया है। शुद्ध पेयजल की उपलब्धता से महिलाओं और बच्चों के समय तथा श्रम की बचत हुई है। बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जा पा रहे हैं, वहीं महिलाएं घरेलू कार्यों के साथ-साथ आजीविका संबंधी गतिविधियों में भी अधिक समय दे पा रही हैं। सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होने से ग्रामीणों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार हुआ है तथा जलजनित बीमारियों में कमी दर्ज की गई है। जल जीवन मिशन के निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी परिवारों को नियमित नल जल सुविधा उपलब्ध कराए।

अधिकारी-कर्मचारियों से पीएम सूर्यघर योजना का लाभ लेने किया आग्रह.....

- नैनो डीएपी व यूरिया के उपयोग के लिए अभियान चलायें, किसानों को करें प्रोत्साहित
- बारिश से पहले विद्युत विभाग व्यवस्था दुरुस्त करने के दिए निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सोसायटी सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि कृषि विभाग के सभी आरएईओ फील्ड में निरंतर जाएं और किसानों को नैनो डीएपी व यूरिया के उपयोग के लिए किसानों

को प्रोत्साहित करें और जिले में इसे एक अभियान के रूप में चलाएं। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा पीएम सूर्यघर योजना का लाभ सभी अधिकारी-कर्मचारी उठाएं एवं सभी अधीनस्थ और आमजनों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके माध्यम से हम बिजली की बचत कर सकते हैं और बिजली उत्पादक भी बन सकते हैं। कलेक्टर ने कहा कि विद्युत विभाग बारिश के पूर्व सभी तैयारी रखें ताकि आम जनता को लंबे समय तक विद्युत अवरोध का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि स्वास्थय विभाग ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आयुष्मान कार्ड अधिक से अधिक बनाएं ताकि इस योजना का हितग्राहियों को लाभ मिले। महिला एवं बाल विकास विभाग से महतारी वंदन योजना के ई-केवायसी एवं कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत सभी आंगनबाड़ी में कार्यकर्ताओं की बैठक लें व कार्य योजना बनाएं बैठक में नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, एडीएम उमाशंकर बंदे, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, अपर कलेक्टर नवीन ठाकुर एवं अपर कलेक्टर मनीष मिश्रा सहित समस्त विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

अवैध मटन-चिकन दुकान पर निगम की कार्रवाई, सामान जब्त

रायपुर। राजधानी रायपुर में अवैध रूप से संचालित मटन-चिकन दुकान के खिलाफ नगर निगम ने सख्त कार्रवाई की है। तेलीबांधा क्षेत्र में जे.आर. नायडू स्कूल के पीछे चल रही अवैध दुकान पर निगम के जोन क्रमांक-3 की टीम ने अभियान चलाकर सामान जब्त किया और अतिरिक्त क्षेत्र में लगाए गए टिन शेड को जेसीबी मशीन की मदद से हटाया। जानकारी के अनुसार, नगर निवेश विभाग को इस संबंध में जनशिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन-3 की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान जोन कमिश्नर प्रीति सिंह, कार्यपालन अभियंता ईश्वर लाल टावरे, सहायक अभियंता नरेश साहू और उपअभियंता अक्षय भारद्वाज मौजूद रहे।

चर्चेड़ी में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग, योजनाओं की मिली जानकारी

सुशासन तिहार के शिविर में उमड़ा जनसैलाब हितग्राही हुए लाभान्वित

- शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा कुल 471 हित ग्राहियों को लाभान्वित किया गया
- अधिकारियों ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं की प्रगति और लाभ वितरण की जानकारी ली

रायपुर/ संवाददाता

सुशासन तिहार के अंतिम जनसमस्या निवारण शिविर में आज गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के चर्चेड़ी ग्राम पंचायत में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। आसपास की 18 ग्राम पंचायतों के लोगों ने अपनी समस्याओं, मांगों और शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। शिविर को संबोधित करते हुए विधायक श्री प्रणव कुमार मरपची ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर आयोजित सुशासन तिहार जनसेवा का प्रभावी माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को हर माह आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, वहीं किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है। शिविर में राजस्व विभाग से संबंधित 128 आवेदन प्राप्त हुए। इसके अलावा राशन कार्ड, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास योजना, वन अधिकार पट्टा, महतारी वंदन योजना, विद्युत कनेक्शन, बोरवेल, हैंडपंप और अन्य जनहितकारी योजनाओं से जुड़े 770 आवेदन जमा किए गए। कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने कहा कि सभी आवेदनों का निराकरण निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से राजस्व प्रकरणों में आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने की अपील की ताकि मामलों का समयबद्ध निराकरण हो सके। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा कुल 471 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इनमें 150 हितग्राहियों को वन अधिकार पट्टा, 49 हितग्राहियों को आबादी पट्टा, 28 किसानों को किसान किताब, 120 लोगों को वोटर आईडी, 2 कोटवारों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने पंडरी और पथर्री ग्राम पंचायतों में पूर्ण हुई नल-जल योजना का हस्तांतरण प्रमाण पत्र प्रदान किया। ग्रामोद्योग विभाग ने दो हितग्राहियों को 35 हजार एवं 70 हजार रुपये की अनुदान राशि वितरित की। परिवहन विभाग ने 32 लोगों को लर्निंग लाइसेंस प्रदान किए। स्वास्थ्य, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास तथा कृषि विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड, सिकल सेल कार्ड, सहायक उपकरण, मूंग बीज, सुकन्या समृद्धि योजना और नोनी सुरक्षा योजना के प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

संपादकीय

अग्निकांड- मौत के बाद जांच, जांच के बाद खामोशी

राजधानी दिल्ली में एक इमारत में आग लगने की वजह से इक्कीस लोगों की जान चली गई। उसके अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में एक निजी अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में आग लग गई, जिसमें पांच लोगों के मरने की खबरें आईं।किसी भी हादसे का सबसे जरूरी सबक यह होना चाहिए कि भविष्य में ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसी घटना दोबारा न हो। मगर ऐसा लगता है कि आए दिन इमारतों में आग लगने और उसमें लोगों की जान जाने की घटनाओं से कोई सबक नहीं लेने की लापरवाही एक सामान्य चलन बन चुकी है।राजधानी दिल्ली में एक इमारत में आग लगने की वजह से इक्कीस लोगों की जान चली गई। उसके अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में एक निजी अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में गुरुवार को भीषण आग लग गई, जिसमें पांच लोगों के मरने की खबरें आईं। इस घटना ने एक बार फिर स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवस्थागत कमियों की कलई खोल दी है।आमतौर पर किसी भी अस्पताल में मरीज इस उम्मीद में इलाज कराने जाते हैं, ताकि उनकी जिंदगी बच सके। मगर जब वहां अति सुरक्षित माने जाने वाले कक्ष में ही उनकी जान पर बन आए, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अस्पतालों में सुरक्षा नियमों की जिस तरह अनदेखी हो रही है, उससे स्पष्ट है कि चिकित्सा एक ऐसे व्यवसाय का रूप ले चुकी है, जहां शायद जिंदगी की कोई कीमत नहीं।पिछले कुछ वर्षों में अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं के दौरान अग्नि सुरक्षा मानकों में बार-बार गंभीर खामियां पाई गई हैं। बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। मुजफ्फरपुर में हुए हादसे ने साफ कर दिया है कि अस्पताल में किस हद तक घोर लापरवाही बरती जा रही थी।मामले की जांच के लिए वरिष्ठ अधिकारियों का पांच सदस्यीय दल बनाया गया है। अब जांच की रिपोर्ट कब आएगी, उस पर क्या कार्रवाई होगी, यह आम लोगों को शायद ही पता चले। मगर इस घटना में मारे गए मरीज कभी घर नहीं लौटेंगे।बेहतर होता कि स्वास्थ्य विभाग संबंधित अस्पताल से तत्काल जवाब-तलब करता कि मरीजों की सुरक्षा के लिए आपातकालीन निकास की व्यवस्था के साथ अग्निरोधक उपाय उसने पहले क्यों नहीं किए। हैरत की बात है कि अस्पताल परिसरों में शॉर्ट सर्किट जैसी समस्या से निपटने को लेकर एहतियात बरतना और बुनियादी इंतजाम करना जरूरी नहीं समझा जाता है। जांच और राहत के आश्वासनों से इतर सवाल यह है कि इस तरह की व्यापक लापरवाही के लिए प्रशासन की अनदेखी की जवाबदेही कब तय की जाएगी!

किसी भी राज्य के विकास के लिए स्पष्ट विजन का होना जरूरी है। ऐसा न हो तो संसाधन बिखरते हैं, ऊर्जा का सही उपयोग नहीं पाता और लक्ष्य अधूरे रह जाते हैं। 2017 में जब एक भगवादारी संन्यासी योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की बागडोर संभाली थी, कारपोरेट जगत से लेकर सभी लोगों के मन में एक ही प्रश्न था कि क्या वह राज्य को विकास की राह पर ले जा पाएंगे? ऐसा राज्य जहां माफिया और अपराधियों की तूती बोलती हो, निवेशक आने से घबराते हों और जिसकी पहचान बीमारू के रूप में होती हो। लोगों के मन में यह प्रश्न उठना सहज ही था, क्योंकि प्रबंधन के स्तर पर राज्य की चूलें हिली हुई थीं। लोगों के प्रश्नों का जवाब उचित प्रबंधन ही दे सकता था और उसके बाद से अब तक का समय यदि इसकी मिसाल बना तो इसके पीछे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन ही था।

मैनेजमेंट गुरु योगी आदित्यनाथ

(प्रो. दीप्ति तनेजा)

किसी भी राज्य के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण क्या हो सकता है? यह एक गंभीर सवाल है और लोग इसका जवाब अपने-अपने स्तर पर अलग-अलग ही देंगे। लेकिन, संदर्भ उत्तर प्रदेश का हो तो इसका सही जवाब है-विजन। किसी भी राज्य के विकास के लिए स्पष्ट विजन का होना जरूरी है। ऐसा न हो तो संसाधन बिखरते हैं, ऊर्जा का सही उपयोग नहीं पाता और लक्ष्य अधूरे रह जाते हैं। 2017 में जब एक भगवादारी संन्यासी योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की बागडोर संभाली थी, कारपोरेट जगत से लेकर सभी लोगों के मन में एक ही प्रश्न था कि क्या वह राज्य को विकास की राह पर ले जा पाएंगे? ऐसा राज्य जहां माफिया और अपराधियों की तूती बोलती हो, निवेशक आने से घबराते हों और जिसकी पहचान बीमारू के रूप में होती हो। लोगों के मन में यह प्रश्न उठना सहज ही था, क्योंकि प्रबंधन के स्तर पर राज्य की चूलें हिली हुई थीं। लोगों के प्रश्नों का जवाब उचित प्रबंधन ही दे सकता था और उसके बाद से अब तक का समय यदि इसकी मिसाल बना तो इसके पीछे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन ही था।

विजन का सही एग्जिक्यूशन- कारपोरेट जगत में एक वाक्य बहुत कॉमन है- 'मैनेजर काम सही करता है, लीडर सही काम कराता है।' यह योगी आदित्यनाथ की प्रबंधकीय दृष्टि ही थी कि उन्होंने सबसे पहले सही काम तय किए और इसे सही तरीके से करने की जिद पकड़ी। मूल सिद्धांत यह कि कानून का राज ही विकास की राह है। यह उनका एक रणनीतिक घोषणापत्र था, जिसने पूरे प्रशासनिक तंत्र को एक दिशा दी, एक उद्देश्य दिया। साथ ही एक कसौटी भी रखी जिसमें हर नीति, हर निर्णय और हर अधिकारी को परखा जा सके। विजन में ऐसी स्पष्टता हो तो एग्जिक्यूशन की धार अपने आप तेज हो जाती है। बीते नौ सालों में समावेशी विकास की महागाथा, विश्वस्तरीय आयोजन और 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव, यह विजन के सही एग्जिक्यूशन से ही आए। इसीलिए योगी आज एक ऐसे मैनेजमेंट गुरु के रूप में देखे जा रहे हैं, जिनके फैसले केस स्टडी के रूप में प्रबंधकीय संस्थानों और छात्रों के लिए रुचि का विषय हैं।

जीरो टॉलरेंस बना ब्रांड पोजीशनिंग टूल- योगी सरकार का लक्ष्य था कि बीमार पड़े राज्य को पुनर्जीवित किया जाए। कारपोरेट जगत में इस प्रक्रिया को 'टर्नअराउंड' कहते हैं। यह प्रक्रिया आसान नहीं थी। पुरानी जड़ें उखाड़ने से लेकर पुराने प्रशासनिक ढांचे तोड़ने थे। उन लोगों को भी बदलना था, जो वर्षों से 'यही होता आया है' की मानसिकता में जी रहे थे। 2017 के पहले की स्थिति ऐसी ही थी, जिसमें पूरा तंत्र जड़ हो चुका था। न कोई जवाबदेही थी और न ही कोई संस्कृति। उत्तर प्रदेश की पहचान 'दंगा

विजन में ऐसी स्पष्टता हो तो एग्जिक्यूशन की धार अपने आप तेज हो जाती है। बीते नौ सालों में समावेशी विकास की महागाथा, विश्वस्तरीय आयोजन और 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव, यह विजन के सही एग्जिक्यूशन से ही आए।

प्रदेश' के रूप में थी और यह केवल एक छवि नहीं थी, यह अभिशाप था जो युवाओं को पलायन के लिए बाध्य कर रहा था तो उद्यमियों को आने से रोक रहा था। ऐसे में राज्य की अलग पहचान तभी हो सकती थी जब पूरी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन कर राज्य को ब्रांड बनाया जाए।

इसके लिए योगी आदित्यनाथ ने 'जीरो टॉलरेंस' नीति को एक 'ब्रांड पोजीशनिंग टूल' के रूप में इस्तेमाल किया। बुलडोजर ने अपराधियों के हौसले तोड़े तो माफिया के खिलाफ अभियान ने सीधा संदेश दिया कि कानून सबके लिए बराबर है। पूरी कठोरता से इस फैसले के क्रियान्वयन ने देश के उद्योग जगत को स्पष्ट 'मार्केटिंग सिग्नल' दिया कि उत्तर प्रदेश बदल रहा है। परिणाम राजस्व की बड़ी उछाल के रूप में सामने आया और आज उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है तो यह यहां के प्रबंधन मॉडल की सफलता का परिणाम है।

कुशल सीईओ जैसी कार्यशैली- प्रबंधन में विजन और ब्रांडिंग से भी अधिक महत्वपूर्ण है- एग्जिक्यूशन। व्यक्तिगत निगरानी और समय-सीमा के प्रति अटल प्रतिबद्धता। हर परियोजना की डेली मॉनीटरिंग, डैशबोर्ड रिव्यू और स्वयं मुख्यमंत्री की देर रात तक चलने वाली समीक्षा बैठकें, यह किसी स्टार्टअप के कुशल व मेहनती 'सीईओ' की कार्यशैली नजर आती है। जब सबसे ऊपर बैठा व्यक्ति खुद जवाबदेह हो, तो पूरा सिस्टम उत्तरदायी हो जाता है। 2025 का महाकुंभ इस एग्जिक्यूशन की क्षमता का सबसे बड़ा और सबसे दृश्यमान प्रमाण था। 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का एक स्थान पर आना, मानव इतिहास का सबसे बड़ा लॉजिस्टिक्स और भीड़ प्रबंधन का प्रयोग था। परिवहन, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, डिजिटल सेवाएं, हर विभाग को एक साथ-एक लय में चलाना, यह तब ही संभव है जब 'सेंट्रलाइज्ड कमांड एंड कंट्रोल' व्यवहार में जीवित हो। महाकुंभ की सफलता ने प्रबंधन का ऐसा इतिहास लिखा कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ भी दौड़े चले आए।

ब्लू ओशन स्ट्रेटेजी- एक और पहलू है जिसे अनदेखा करना असंभव है- 'ब्लू ओशन स्ट्रेटेजी।' इस स्ट्रेटजी में आप प्रतिस्पर्धा से बाहर निकलकर एक नया और अछूता बाजार बनाते हैं, जहां कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं। जब सभी राज्य एक ही तरह की नीतियां अपना रहे थे, उत्तर प्रदेश ने 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) और बाद में 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन कुज़ीन' (ओडीओसी) जैसे नवाचार किए। ओडीओपी राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा आधार बन गया। इस नीति ने लाखों कारीगरों को न केवल आजीविका दी, बल्कि उन्हें एक पहचान भी दी और यही किसी भी सफल संगठन की 'एचआर पॉलिसी' का सार होता है।

शोध का विषय बना यूपी मॉडल

किसी भी गंभीर संकट में प्रबंधन की असली परीक्षा होती है। उत्तर प्रदेश ने कोविड लहर में यह परीक्षा दो बार दी। ऑक्सीजन की कमी, स्वास्थ्य ढांचे की सीमाएं और लाखों जिंदगियों की जिम्मेदारी, इन सबके बीच जो प्रशासनिक प्रतिक्रिया सामने आई, वह 'इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर' के रूप में थी। जिला स्तर पर निगरानी, ऑक्सीजन वितरण की रियल-टाइम ट्रैकिंग, दवाओं की उपलब्धता, यह सब उसी 'डैशबोर्ड गवर्नेंस' का विस्तार था जो इस सरकार की पहचान बन चुका है। उत्तर प्रदेश का बदलाव प्रबंधन की बड़ी कहानी है और इसीलिए आज आईआईएम के शोधार्थी 'यूपी मॉडल' पर शोधपत्र लिख रहे हैं और हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू में उत्तर प्रदेश की चर्चा हो रही है। यह किसी राज्य के लिए सामान्य बात नहीं है। भगवा कपड़ों में एक संन्यासी का सीईओ रूप सभी को प्रभावित कर रहा है। योगी ने सिद्ध किया है कि नेतृत्व की कोई पोशाक नहीं होती और न ही इसके मूल में कोई पृष्ठभूमि होती है। जनता के प्रति प्रतिबद्धता निष्कपट हो, तो मठ से निकला एक संन्यासी भी देश की सर्वाधिक आबादी वाले राज्य का सबसे सफल 'टर्नअराउंड सीईओ' बन सकता है। (लेखिका अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. हैं।)

ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

जीवन का आधार है पर्यावरण

(रमेश सर्राफ धमोरा)

पर्यावरण दो शब्दों परि और आवरण से मिलकर बना है। परि का अर्थ होता है हमारे आसपास या हमारे चारों ओर। आवरण का अर्थ होता है हम चारों ओर जिससे घिरे हैं। अर्थात पर्यावरण का अर्थ हमारे आस-पास के वातावरण से हैं। पर्यावरण पेड़-पौधों, वायु हमारे आस-पास की सभी चीजों से मिलकर बनता है।

दुनिया में हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन लोगों को कई कार्यक्रमों के जरिये प्रकृति को संरक्षित रखने और इससे खिलवाड़ न करने के लिए जागरूक किया जाता हैं। इन कार्यक्रमों के जरिये लोगों को पेड़-पौधे लगाने, पेड़ों को संरक्षित तात्कालिकता और इसके वास्तविक, ठोस समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान करती है।

पर्यावरण दो शब्दों परि और आवरण से मिलकर बना है। परि का अर्थ होता है हमारे आसपास या हमारे चारों ओर। आवरण का अर्थ होता है हम चारों ओर जिससे घिरे हैं। अर्थात पर्यावरण का अर्थ हमारे आस-पास के वातावरण से हैं। पर्यावरण पेड़-पौधों, वायु हमारे आस-पास की सभी चीजों से मिलकर बनता है। पर्यावरण हमारे दैनिक जीवन से सीधा संबंध रखता हैं। मानव और पर्यावरण एक दूसरे से संबंधित तथा एक दूसरे पर निर्भर होते हैं। पर्यावरण प्रदूषण जैसे पेड़ों का कम होना,

करने, हरे पेड़ न काटने, नदियों को साफ रखने और प्रकृति से खिलवाड़ न करने जैसी चीजों के लिए जागरुक किया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस एक अभियान है। इस अभियान की शुरुआत करने का मुख्य उद्देश्य वातावरण की स्थितियों पर ध्यान केन्द्रित करने और पृथ्वी के सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव का भाग बनने के लिए लोगों को प्रेरित करना है।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरुआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक थीम निर्धारित की जाती है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम जलवायु के लिए अभी है। यह थीम जलवायु परिवर्तन की वायु प्रदूषण आदि मनुष्य के स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव डालता है। मानव की अच्छी बुरी आदतों का प्रभाव सीधा पर्यावरण पर पड़ता हैं। विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य मानव जाति को पर्यावरण के प्रति सचेत करना हैं। उसका उद्देश्य पूरी प्रकृति व पर्यावरण की सुरक्षा करना हैं।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की मेकिंग पीस विद नेचर रिपोर्ट पृथ्वी पर मंडरा रहे तीन बड़े पर्यावरणीय संकटों जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता का नुकसान और प्रदूषण से निपटने के लिए एक वैज्ञानिक खाका प्रदान करती है। रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता की हानि और प्रदूषण तीनों आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। ये मानव अस्तित्व के लिए एक स्व-निर्मित खतरा हैं। प्रदूषण के कारण हर साल लगभग 90 लाख लोग असामयिक रूप से अपनी जान गंवाते हैं। लगभग 10 लाख प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। मानवता ने पिछले 50 वर्षों में प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक और अस्थिर दोहन किया है जिससे हमारी पृथ्वी की जीवन-समर्थन क्षमता कमजोर हो गई है।

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है।

(ललित गर्ग)

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम प्लास्टिक प्रदूषण का अंत (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को

नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।'

आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण है कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है। फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है।

18 दिनों में बदली जिंदगी एनआरसी की देखभाल से गंभीर कुपोषण से उबरे सात माह के जेकलिन और जसवंत

कोण्डागांव। जिले में कुपोषण के खिलाफ जारी प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। पोषण पुनर्वास केंद्र एनआरसी की विशेष देखभाल और उपचार से सात माह की जेकलिन कोर्राम व जसवंत कोर्राम दो जुड़वा गंभीर कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। यह सफलता न केवल बच्चों के परिवारों के लिए राहत लेकर आई है, बल्कि यह भी साबित करती है कि समय पर उपचार और संतुलित पोषण से गंभीर कुपोषण जैसी चुनौती पर प्रभावी तरीके से विजय पाई जा सकती है। यहां बता दें कि कोंडागांव जिले के दूरस्थ ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में कुपोषण एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त पहल से संचालित एनआरसी में कई बच्चों के लिए जीवनदायी केंद्र साबित हो रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि कुपोषण के स्थायी रोकथाम के लिए केवल उपचार पर्याप्त नहीं है। परिवारों में पोषण संबंधी जागरूकता, गर्भवती महिलाओं की देखभाल, स्तनपान, पूरक आहार और नियमित स्वास्थ्य जांच पर समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। जिले के सुदूरवर्ती अंचल बेचा गांव की रहने वाली जेकलिन कोर्राम और जसवंत कोर्राम को 15 मई को गंभीर कुपोषण की स्थिति में एनआरसी में भर्ती कराया गया था। भर्ती के समय जैकलिन का वजन मात्र 3.155 किलोग्राम था। चिकित्सकीय जांच में उसकी लंबाई 54 सेंटीमीटर, एमयूएसी 8.4 सेंटीमीटर और हीमोग्लोबिन 8.5 वहीं जसवंत का वजन वजन 3.450 किलोग्राम, लंबाई 55 सेंटीमीटर, एमयूएसी 8.6 सेंटीमीटर और हीमोग्लोबिन 9.1 ग्राम पाया गया, जो गंभीर कुपोषण की स्थिति को दर्शाता है।

24 घंटे निगरानी

एनआरसी में भर्ती होने के बाद दोनों बच्चों को विशेष पोषण आहार, आवश्यक दवाइयां और विशेषज्ञों के द्वारा नियमित स्वास्थ्य जांच उपलब्ध कराई गई। 18 दिनों की देखभाल के बाद 2 जून को डिस्चार्ज के समय जेकलिन का वजन बढ़कर 4.045 किलोग्राम तो जसवंत का वजन 4.315 किलोग्राम था।

एनआरसी में ये सुविधाएं

एनआरसी में बच्चों को दूध, अंडा, केला, सत्तू, मूंग का हलवा, खिचड़ी, दलिया सहित कई पौष्टिक खाद्य पदार्थ दिए जाते हैं। साथ ही आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, जिंक और मल्टीविटामिन जैसे आवश्यक सप्लीमेंट भी उपलब्ध कराए जाते हैं। बच्चों के माता-पिता को भी पोषण और देखभाल संबंधी महत्वपूर्ण सलाह दी जाती है, ताकि घर लौटने के बाद भी बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर बना रहे। महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार जिले में कुपोषण को कम करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। एनआरसी से स्वस्थ होकर लौटने वाले बच्चों की हमर स्वस्थ लईका अभियान के तहत तीन माह तक नियमित निगरानी की जाएगी। जेकलिन को सही समय पर उपचार, पोषण और सामुदायिक सहयोग मिला, समय पर उपचार मिलने से बच्चों को स्वस्थ और बेहतर भविष्य दिया जा सकता है।

पं. जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में पं. जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना) अंतर्गत वर्ष 2026-27 में कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु जिला स्तरीय लिखित चयन परीक्षा 05 जुलाई दिन रविवार को समय दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक जिला मुख्यालय के परीक्षा केन्द्रों में आयोजित किया गया है। कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्रों के चयन का मापदण्ड एवं पात्रता शर्तें हेतु विद्यार्थी कोण्डागांव जिले का निवासी हो, छ.ग. राज्य में मान्य अनु जाति/अनु जनजाति वर्ग का हो, इस हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी स्थाई जाति प्रमाण पत्र धारक हो, छ.ग. में संचालित किसी मान्यता प्राप्त शाला में से कक्षा 5वीं में नियमित अध्ययनरत हो तथा कक्षा चौथी की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक या समकक्ष ग्रेड प्राप्त किया है, पालक की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय 2.50 लाख से अधिक न हो, ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत तथा नगर पंचायत क्षेत्र के विद्यालय में ही अध्ययनरत विद्यार्थी इस योजना अंतर्गत आवेदन कर सकेंगे। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पं. जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना) अंतर्गत कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु आवेदन करने वाले पात्र छात्र-छात्राएं सादे कागज पर निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र पासपोर्ट साइज दो फोटो, परीक्षा पास होने का प्रमाणित प्रगति पत्र, पालक की सहमति, जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र (आयकर दाता ना होने का प्रमाण पत्र) एवं संस्था से ग्रामीण अंचल में होने संबंधी जानकारी 20 जून तक शाला स्तर पर जमा कराएं तथा शाला प्रमुख विद्यार्थी के आवेदन पत्रों का परीक्षण उपरांत विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में 22 जून तक जमा करें। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा समस्त आवेदनों की सूची तैयार कर आवेदन पत्र व सूची की हार्ड कॉपी/सॉफ्ट कॉपी निर्धारित प्रपत्र में सीडी सहित 24 जून तक कार्यालय सहायक आयुक्त, आ.वि. कोण्डागांव को अनिवार्यत प्रस्तुत करेंगे।

निजी अस्पताल की लापरवाही ने ली जच्चा-बच्चा की जान सर्व आदिवासी समाज ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

क्या उग्र प्रदर्शन का इंतजार कर रहा है प्रशासन?

अब क्षेत्र की जनता के बीच सबसे बड़ा सवाल यही तैर रहा है कि क्या जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग किसी बड़े और उग्र आंदोलन का इंतजार कर रहे हैं, या फिर रसूखदारों के दबाव को दरकिनार कर एक पीड़ित आदिवासी परिवार को न्याय दिलाएंगे? पीड़ित परिवार इंसाफ की आस में भटक रहा है।

भानुप्रतापपुर। क्षेत्र के एक निजी अस्पताल की कथित लापरवाही और संवेदनहीनता के कारण एक प्रसूता और उसके नवजात बच्चे की दर्दनाक मौत का मामला गरमाता जा रहा है। मृतिका द्रौपदी कोमरा के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए अब सर्व आदिवासी समाज सड़क पर उतर आया है। प्रशासन की सुस्ती और जिला स्वास्थ्य विभाग की रहस्यमयी चुप्पी को लेकर क्षेत्र में भारी आक्रोश है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतिका द्रौपदी कोमरा को प्रसव पीड़ा होने पर बीते 15 मई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भानुप्रतापपुर में भर्ती कराया गया था। 17 मई को सोनोग्राफी और अन्य जांचों में डॉक्टरों ने पाया कि गर्भ में 'वाटर लेवल' (एमनियोटिक फ्लूइड) बेहद कम हो चुका है, जिससे सामान्य प्रसव (नॉर्मल डिलीवरी) असंभव था और जच्चा-बच्चा दोनों की जान को गंभीर खतरा था। शासकीय अस्पताल के डॉक्टरों ने स्थिति को भांपते हुए मरीज को तुरंत हायर सेंटर रेफर कर दिया। गंभीर स्थिति को देखते हुए और बेहतर इलाज की उम्मीद में परिजनों ने 17 मई को मरीज को भानुप्रतापपुर के ही निजी 'गौतम हॉस्पिटल' में भर्ती कराया, जिसके दूसरे दिन प्रसव के दौरान जच्चा बच्चा का मौत हो गई।

नियमों की धज्जियां उड़ाई: न पुलिस को सूचना, न पोस्टमार्टम

नियमों के मुताबिक, यदि अस्पताल में उपचार के दौरान किसी मरीज की संदेहास्पद परिस्थितियों में मृत्यु होती है, तो तुरंत स्थानीय थाने को सूचित करना अनिवार्य होता है। लेकिन गौतम हॉस्पिटल प्रबंधन ने पुलिस को इसकी कोई सूचना नहीं दी और न ही जच्चा-बच्चा का पोस्टमार्टम कराया गया, जिससे अस्पताल की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जांच के नाम पर 15 दिनों से केवल 'लीपापोती'?

अखबारों में खबर प्रकाशित होने के बाद जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने मामले को संज्ञान में लिया और जांच टीम भानुप्रतापपुर भेजी थी। लेकिन इस बात को 15 दिनों से भी ज्यादा का समय बीत चुका है, और अब तक दोषी अस्पताल प्रबंधन या डॉक्टरों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। अंदरूनी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस मामले को दबाने के लिए राजधानी (रायपुर) के बड़े अधिकारियों और रसूखदारों द्वारा जांच टीम को 'कार्रवाई न करने' के लिए फोन आ चुके हैं। यही कारण है कि स्वास्थ्य विभाग इस मामले में कुंडली मारकर बैठा है।

सर्व आदिवासी समाज ने सौंपा ज्ञापन, 7 दिनों का अल्टीमेटम

इस दोहरी मौत और प्रशासनिक निष्क्रियता के खिलाफ सर्व आदिवासी समाज ने मोर्चा खोल दिया है। समाज के पदाधिकारियों ने जच्चा-बच्चा के पीड़ित परिजनों को न्याय व उचित मुआवजा दिलाने और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भानुप्रतापपुर की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर के नाम भानुप्रतापपुर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है। समाज ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 7 दिनों के भीतर दोषी अस्पताल पर कार्रवाई, परिजनों को उचित मुआवजा और शासकीय अस्पताल में जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं, तो सर्व आदिवासी समाज उग्र प्रदर्शन और चक्का जाम करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

परिजनों का गंभीर आरोप: 5 घंटे का इंतजार और जबरन नॉर्मल डिलीवरी का प्रयास: परिजनों का आरोप है कि गौतम हॉस्पिटल प्रबंधन ने गंभीर मरीज को देखने के बाद भी उन्हें 5 घंटे तक इंतजार कराया। स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही थी, जिसे देख परिजनों ने डॉक्टरों से बार-बार सिजेरियन (ऑपरेशन) करने की गुहार लगाई।

नदी पार कर नुगुर पहुंचे कलेक्टर-एसपी ग्रामीणों से सीधा संवाद

सुदूर वनांचल में चौपाल लगाकर सुनी समस्याएं, सड़क, धान खरीदी और आजीविका योजनाओं पर दिए महत्वपूर्ण निर्देश

बीजापुर। जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र भैरमगढ़ विकासखंड के नुगुर गांव (हुर्रगुवाली पंचायत) में कलेक्टर विश्वदीप, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नम्रता चौबे ने पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी समीक्षा की। विशेष बात यह रही कि अधिकारियों ने गांव तक पहुंचने के लिए नदी को पैदल पार किया, जिससे ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति विश्वास और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

ग्रामीणों की चौपाल में सुनी गई समस्याएं: गांव में आयोजित चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, आवास, धान खरीदी, शिक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी मांगें रखीं। कलेक्टर विश्वदीप ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया तथा कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

धान खरीदी और उपार्जन केन्द्र निर्माण पर हुई चर्चा: ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए केतूलनार में धान खरीदी केंद्र हेतु दान उपार्जन केन्द्र के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। बैठक में नदी के इस पार से प्रशासन द्वारा धान उठाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में भी विचार-विमर्श हुआ। किसानों को बिचौलियों से सावधान रहने की सलाह देते हुए अधिकारियों ने कहा कि धान को समर्थन मूल्य पर ही बेचें। किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी तथा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से शासन द्वारा किए जाने वाले भुगतान की जानकारी दी गई।

प्रशासन को अपने बीच पाकर बढ़ा ग्रामीणों का आत्मविश्वास

कलेक्टर, एसपी और जिला पंचायत सीईओ सहित वरिष्ठ अधिकारियों को अपने बीच पाकर ग्रामीणों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ। ग्रामीणों ने बिना किसी झिझक के अपनी समस्याएं और मांगें अधिकारियों के समक्ष रखीं। कलेक्टर विश्वदीप ने सभी मांगों पर संवेदनशीलता के साथ विचार करने तथा क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के समुचित विस्तार के लिए सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया। शासन की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। दूरस्थ क्षेत्रों के विकास के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

पीएमजीएसवाई सड़क निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

दौरे के दौरान कलेक्टर ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सड़क निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

कृषि और तकनीकी नवाचारों का लिया जायजा

अधिकारियों ने सोलर ड्यूल पंप का अवलोकन किया तथा किसानों को समय पर उर्वरक उठाव और एग्रीस्टेक पंजीयन कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

स्कूल और आंगनबाड़ी भवनों का निरीक्षण

दौरे के दौरान स्कूल भवन एवं आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों को उपलब्ध सुविधाओं तथा आधारभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने शिक्षा एवं पोषण सेवाओं को बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए।

आवास, शौचालय और आजीविका गतिविधियों पर जोर

ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे में शामिल होकर पात्रता अनुसार मकान निर्माण कराने की जानकारी दी गई। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण, मनरेगा के तहत डबरी निर्माण तथा गाय शेड निर्माण कराने के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस परिवार के बच्चों और महिलाओं के लिए सुकमा में समर कैंप का शुभारंभ

एसपी किरण चव्हाण की पहल, खेलकूद व मनोरंजक गतिविधियों से प्रतिभागियों में उत्साह

सुकमा। पुलिस रक्षित केंद्र सुकमा में पुलिस परिवार के बच्चों एवं महिलाओं के लिए तीन दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन 10 जून से 12 जून तक संचालित होगा। समर कैंप के अंतर्गत बच्चों एवं महिलाओं के लिए विभिन्न खेल एवं मनोरंजन गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कुर्सी दौड़, चम्मच-नींबू दौड़ सहित अनेक रोचक प्रतियोगिताएं शामिल है। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस परिवार के सदस्यों को स्वस्थ, आनंदमय एवं रचनात्मक वातावरण प्रदान करना है। पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण का मानना है कि पुलिस जवान अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं और उनकी इस सेवा में परिवार का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। पुलिस विभाग ऐसा विभाग है जहां अधिकारी एवं जवान त्योहारों और विशेष अवसरों पर भी अपने परिवार से दूर रहकर जनता की सुरक्षा में तत्पर रहते हैं। ऐसे में पुलिस परिवार की महिलाएं एवं बच्चे त्याग, धैर्य और साहस के साथ उनका मनोबल बढ़ाने का कार्य करते हैं। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए पुलिस वेलफेयर गतिविधियों के तहत इस समर कैंप का आयोजन किया गया है, जिससे पुलिस परिवार के बच्चों एवं महिलाओं के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सके। कैंप में पुलिस परिवार के लगभग 130 बच्चों सहित करीब 200 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। र क्षित निरीक्षक रवि उपाध्याय ने बताया कि समर कैंप को लेकर बच्चों एवं महिलाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण के नेतृत्व

उर्वरक दुकानों पर कृषि-राजस्व विभाग का औचक निरीक्षण, सभी अभिलेख एवं स्टॉक मिले दुरुस्त

बीजापुर। कलेक्टर विश्वदीप के निर्देशानुसार कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के संयुक्त दल द्वारा जिले के निजी उर्वरक विक्रेताओं तथा सरकारी समितियों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विकासखंड भोपालपटनम के ग्राम मद्देड़ स्थित मेसर्स लक्ष्मी मार्केटिंग एवं बालाजी ट्रेडर्स एंड जनरल स्टोर में उपलब्ध उर्वरकों का भौतिक सत्यापन किया गया। संयुक्त दल ने दुकानों में उपलब्ध 20-20-0-13, यूरिया एवं टी.एस.पी. उर्वरकों के पास मशीन में दर्ज स्टॉक का भौतिक स्टॉक से मिलान किया। साथ ही उर्वरक विक्रय से संबंधित दस्तावेजों जैसे अनुज्ञप्ति प्रमाण-पत्र, ओ-फॉर्म की वैधता तथा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों के बीज विक्रय लाइसेंस, स्रोत प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों का भी परीक्षण किया गया। जांच में किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं पाई गई और सभी दस्तावेज नियमानुसार पाए गए। गुणवत्ता परीक्षण के उद्देश्य से विक्रय केंद्रों में उपलब्ध भंडारण से एक यूरिया तथा धान बीज के तीन नमूने संग्रहित किए गए, जिन्हें परीक्षण हेतु भेजा जाएगा। निरीक्षण दल में उमेश कुमार देवांगन एवं कृष्णा सिन्हा, सहायक संचालक कृषि तथा लक्ष्मण कुमार राठिया, तहसीलदार भोपालपटनम उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि आदान उपलब्ध कराने एवं कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से इस प्रकार की जांच आगे भी जारी रहेगी।

नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारी को लेकरविकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक

किरंदुल। नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 में शासकीय विद्यालयों के सुचारू संचालन एवं शासन की योजनाओं के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, कुआकोंडा द्वारा बुधवार समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।बैठक की अध्यक्षता खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भदौरिया ने किया।यह बैठक शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुआकोंडा में आयोजित की गई। बैठक में छात्रों कि शत प्रतिशत उपस्थिति यूडीएएसआई+ पोर्टल पर विद्यार्थियों की अपार आईडी निर्माण एवं डेटा सत्यापन, जाति तथा निवास प्रमाण पत्र की उपलब्धता, पोस्ट एवं प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदनों के सत्यापन एवं अग्रेषण, कक्षा प्रथम में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के नामांकन एवं डाटा प्रविष्टि, मध्यान्ह भोजन योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदाय, विद्यालय परिसर एवं कक्षा-कक्षों की स्वच्छता व्यवस्था, विद्यालय भवन, बाउंड्रीवाल, पेयजल एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की स्थिति, शिक्षक-शिक्षिकाओं की नियमित उपस्थिति तथा एमबीयू पोर्टल पर विद्यार्थी, शिक्षक एवं भौतिक संसाधनों के डेटा अद्यतनीकरण की बिंदुवार समीक्षा की गईं। खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रमोद सिंह भदौरिया ने समस्त प्रधान पाठकों को निर्देशित किया है कि वे अपने विद्यालय से संबंधित अद्यतन जानकारी, युडीएएसआई+ की प्रिंट प्रति एवं आवश्यक अभिलेखों के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर अनिवार्य रूप से पूर्ण करे । बैठक में सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज सिंह राठौर, खंड स्रोत समन्वयक रत्तूराम राणा, एमडीएम प्रभारी संतु नाग,समस्त संकुल समन्वयक एवं समस्त प्रधान अध्यापक उपस्थित रहें।

न्यायपालिका एवं पुलिस के समन्वय को लेकर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने प्रशिक्षु सहायक उप निरीक्षकों का बैठक

कोण्डागांव। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोण्डागांव विक्रम प्रताप चंद्रा की अध्यक्षता में प्रशिक्षु सहायक उप निरीक्षकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेशमा बैरागी पटेल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय एवं प्रशिक्षु सहायक उप निरीक्षक उपस्थित थे।बैठक का उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों को न्यायिक प्रक्रिया, विधि के शासन, पुलिस प्रशासन की भूमिका तथा न्यायपालिका एवं पुलिस के मध्य समन्वय के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराना था। बैठक में अपर सत्र न्यायाधीश विक्रम प्रताप चंद्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस विभाग आमजन और न्याय व्यवस्था के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है। कानून का प्रभावी क्रियान्वयन नागरिको के अधिकारों की रक्षा तथा समाज में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने मे पुलिस अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी, निष्पक्षता एवं संवेदनशीलता के साथ करने की सलाह दी। बैठक के दौरान प्रशिक्षु सहायक उप निरीक्षकों को अपराध पंजीयन, अनुसंधान की प्रक्रिया, साक्ष्य संकलन, गवाहों के महत्व, न्यायालयीन कार्यवाही में पुलिस अधिकारियों की भूमिका तथा विधिक प्रावधानों की प्रभावी पालन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उन्हें यह भी बताया गया की किसी भी प्रकरण में निष्पक्ष जांच एवं तथ्यात्मक साक्ष्यों का संकलन न्याय प्रदान करने की प्रक्रिया को मजबूत बनाता है। साथ ही यह भी बताया गया की महिलाओं बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज के कमजोर वर्गों से संबंधित मामलों में विशेष संवेदनशीलता बरतने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि कानून का उद्देश्य केवल अपराधियों को दण्डित करना ही नहीं बल्कि पीड़ित व्यक्तियों को न्याय दिलाना और उनके अधिकारो की रक्षा करना भी है।

कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन, महंगाई भत्ता सहित 6 प्रमुख मांगें उठाई

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, जिला कोंडागांव ने कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों और ज्वलंत समस्याओं के निराकरण को लेकर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। संघ ने बुधवार को भोजनावकाश के दौरान ध्यानाकर्षण ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कर्मचारियों और पेंशनरों को केंद्र के समान महंगाई भत्ता एवं डीए एरियर्स का लाभ देने की मांग की। ज्ञापन में कैशलेस चिकित्सा सुविधा के लिए तत्काल आदेश जारी करने, सेवानिवृत्ति पर 300 दिनों के अवकाश नकदीकरण, संविदा एवं अनियमित कर्मचारियों के नियमितीकरण, शिक्षक एलबी संवर्ग को प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा लाभ देने तथा अनुकंपा नियुक्ति में 10 प्रतिशत की सीमा समाप्त करने की मांग शामिल है। संघ ने कहा कि कर्मचारियों से जुड़े इन मुद्दों का शीघ्र निराकरण किया जाए ताकि प्रदेश के लाखों अधिकारी-कर्मचारियों को राहत मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

मारुति सुजुकी में करियर बनाने का अवसर, आईटीआई कोनी में 12 जून को कैंपस प्लेसमेंट

बिलासपुर। जिले के तकनीकी रूप से प्रशिक्षित युवाओं के लिए रोजगार का उत्कृष्ट अवसर उपलब्ध हुआ है। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), कोनी, बिलासपुर में 12 जून 2026 को सुबह 10 बजे से कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट अभियान में मारुति सुजुकी ईंडिया लिमिटेड के गुजरात प्लांट हेतु लगभग 200 योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। कंपनी द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को लगभग 28,300 रुपये प्रतिमाह का आकर्षक सीटीसी पैकेज प्रदान किया जाएगा। यह भर्ती औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से मैकेनिक मोटर व्हीकल, डीजल मैकेनिक, ट्रैक्टर मैकेनिक, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, टर्नर, वेल्डर, पेंटर, वायरमैन, शीट मेटल, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, टूल एंड डाई तथा पीपीओ व्यवसाय में प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की जा रही है। कैंपस प्लेसमेंट में वही अभ्यर्थी शामिल हो सकेंगे जिन्होंने दसवीं कक्षा न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो तथा संबंधित ट्रेड में आईटीआई प्रशिक्षण प्राप्त किया हो। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 26 वर्ष के मध्य होना आवश्यक है। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों जैसे दसवीं एवं आईटीआई की अंकसूची, प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो तथा बायोडाटा के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होने कहा गया है। आईटीआई कोनी द्वारा आयोजित यह प्लेसमेंट ड्राइव युवाओं को देश की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनी में रोजगार प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी। संस्थान ने जिले एवं आसपास के क्षेत्रों के पात्र युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाकर अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाने की अपील की है।

वर्षा ऋतु और संभावित बाढ़ से निपटने नगर निगम ने बनाया कंट्रोल रूम

बिलासपुर। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए नगर निगम बिलासपुर ने जलभराव, जल निकासी एवं संभावित बाढ़ जैसी परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। निगम आयुक्त के निर्देश पर विकास भवन में बाढ़ नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित किया गया है, जो वर्षा काल के दौरान चौबीसों घंटे कार्य करेगा। नगर निगम द्वारा जारी आदेश के अनुसार नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं आपातकालीन परिस्थितियों में समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कंट्रोल रूम का संचालन किया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अलग-अलग पालियों में ड्यूटी लगाई गई है, ताकि किसी भी समय प्राप्त होने वाली सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। बाढ़ नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन कार्यों के लिए अपर आयुक्त श्री खजांची कुम्हार और मुख्य अभियंता श्री राज कुमार मिश्रा को संयुक्त रूप से नोडल अधिकारी बनाया गया है। वहीं अधीक्षण अभियंता श्री एस.पी. साहू को सहायक नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगर निगम ने नागरिकों की सुविधा के लिए बाढ़ नियंत्रण कक्ष का हेल्पलाइन नंबर 07752-471224 जारी किया है। शहर के किसी भी क्षेत्र में जलभराव, नाली अवरोध, जल निकासी में समस्या अथवा अन्य वर्षाकालीन कठिनाइयों की सूचना इस नंबर पर दी जा सकेगी। निगम आयुक्त ने बताया कि मानसून के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए मैदानी अमले को भी सक्रिय किया गया है। निगम की यह पहल वर्षा के दौरान नागरिकों को राहत प्रदान करने तथा शहरी व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। निगम प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जल निकासी मार्गों में कचरा न डालें तथा किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल कंट्रोल रूम को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

श्री गंगानगर पुरी- श्री गंगानगर एक्सप्रेस में अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा, अधिकाधिक यात्रियों को मिलेगी कन्फर्म बर्थ

बिलासपुर। यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए तथा अधिक से अधिक यात्रियों को कन्फर्म बर्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली गाड़ी संख्या 20471/20472 श्री गंगानगर- पुरी- श्री गंगानगर एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से एक अतिरिक्त स्लीपर कोच जोड़े जाने का निर्णय लिया गया है। इस व्यवस्था के तहत गाड़ी संख्या 20471 श्री गंगानगर- पुरी एक्सप्रेस में दिनांक 07 जून 2026 से 28 जून 2026 तक तथा गाड़ी संख्या 20472 पुरी- श्री गंगानगर एक्सप्रेस में दिनांक 10 जून 2026 से 01 जुलाई 2026 तक एक अतिरिक्त स्लीपर कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। रेलवे द्वारा की गई इस पहल से यात्रा के दौरान कन्फर्म बर्थ की उपलब्धता में वृद्धि होगी तथा प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को विशेष राहत मिलेगी। साथ ही यात्रियों को अधिक आरामदायक एवं सुविधाजनक यात्रा का लाभ प्राप्त होगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा ग्राहक मिलन (कस्टमर मीट) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया....

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा दिनांक 10 जून, 2026 को मुख्यालय, बिलासपुर में माल परिवहन व्यवसाय से जुड़े ग्राहकों, उद्योग प्रतिनिधियों एवं व्यापारिक संगठनों के साथ संवाद एवं समन्वय को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक ग्राहक मिलन (कस्टमर मीट) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री कमल किशोर सिन्हा एवं प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री बिजय कुमार ने की। इस अवसर पर 29 विभिन्न फर्मों के 48 प्रतिनिधियों सहित माल परिवहन ग्राहक, उद्योग प्रतिनिधि, साइडिंग संचालक, व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी तथा रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भारतीय रेल एवं ग्राहकों के मध्य मजबूत साझेदारी को माल परिवहन व्यवसाय की सफलता का आधार बताते हुए ग्राहक सुविधाओं, डिजिटल सेवाओं तथा रेलवे द्वारा संचालित विभिन्न व्यावसायिक पहलों की जानकारी साझा की गई। बैठक के दौरान माल लदान, अनलोडिंग सुविधाओं,

रेलवे साइडिंग, माल शेड, पार्सल एवं लॉजिस्टिक सेवाओं सहित डिजिटल प्लेटफॉर्म से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। ग्राहकों द्वारा प्रस्तुत सुझावों एवं मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श किया गया तथा उनके त्वरित एवं व्यवहारिक समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की माल परिवहन उपलब्धियों एवं व्यावसायिक पहलों पर विशेष प्रस्तुति भी दी गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 261.25 मिलियन टन माल लदान कर भारतीय रेल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कोयला लदान के क्षेत्र में 199.40 मिलियन टन के साथ प्रथम स्थान हासिल किया गया। इसी अवधि में 30,410.30 करोड़ का उद्गम माल राजस्व अर्जित कर जोन ने भारतीय रेल में अग्रणी प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त 151.25 बिलियन नेट टन किलोमीटर (ह्रञ्जयरू) का रिकॉर्ड प्रदर्शन दर्ज किया गया, जो भारतीय रेल के किसी भी जोन द्वारा सर्वाधिक है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा माल परिवहन अवसंरचना के विकास के तहत नए गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनलों का संचालन, माल शेड सुविधाओं का विस्तार तथा सीसीटीवी एवं ड्रोन आधारित डिजिटल मॉनिटरिंग जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं को भी प्रभावी रूप से लागू किया गया है, जिससे ग्राहकों को बेहतर एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। कार्यक्रम में उपस्थित ग्राहकों एवं उद्योग प्रतिनिधियों ने रेलवे द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के संवादात्मक आयोजनों के माध्यम से व्यावसायिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने की अपेक्षा व्यक्त की। कार्यक्रम का समापन उप मुख्य परिचालन प्रबंधक (गुड्स) श्री अर्जुन सिबल द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एसईसीएल ने बिलासपुर में मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का किया शुभारंभ

- 4.72 करोड़ की सीएसआर परियोजना के तहत बिलासपुर जिले की 200 आंगनबाड़ियों का हो रहा उन्नयन

बिलासपुर। साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने अपनी सीएसआर पहल के अंतर्गत बिलासपुर के लिंगियाडीह में विकसित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण किया। यह केंद्र बिलासपुर जिले की 200 आंगनबाड़ियों के आधुनिकीकरण एवं उन्नयन के लिए 4.72 करोड़ की लागत से संचालित परियोजना का हिस्सा है। इस अवसर पर एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा और बेहतर सुविधाएं बच्चों के सर्वांगीण विकास की मजबूत नींव तैयार करती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के लिए सीखने का बेहतर वातावरण उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (सीएसआर) श्री अजय बेहरा, सीएसआर विभाग सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वर्तमान में केंद्र में 22 बच्चे नामांकित हैं। इस अवसर पर बच्चों को पुस्तकें, पेंसिल, ड्राइंग पैड, स्केच बुक सहित विभिन्न शिक्षण सामग्री वितरित की गई। उन्नत केंद्र में बाल-अनुकूल शिक्षण कक्ष, बेहतर स्वच्छता सुविधाएं, शैक्षणिक सामग्री एवं आधुनिक फर्नीचर उपलब्ध कराया गया है। उल्लेखनीय है कि एसईसीएल शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में बिलासपुर जिले में अनेक महत्वपूर्ण सीएसआर परियोजनाएं संचालित कर रहा है। हाल ही में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा बिलासपुर के सकरी क्षेत्र में

फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने राज्य सरकार की बड़ी पहल

- धान से आगे बढ़ेगा किसान: दलहन-तिलहन की खेती पर मिलेगा 15 हजार प्रति एकड़ प्रोत्साहन
- किसानों की आय बढ़ाने और जल संरक्षण में मिलेगी मदद

बिलासपुर। राज्य सरकार ने खरीफ 2026 से किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब धान के स्थान पर दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास जैसी वैकल्पिक फसलों की खेती करने वाले किसानों को 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इस निर्णय से किसानों को अधिक लाभकारी खेती अपनाने का अवसर मिलेगा तथा कृषि क्षेत्र में संतुलित विकास को बढ़ावा मिलेगा। कृषि विभाग के उप संचालक पीडी हाथेश्वर के अनुसार योजना का उद्देश्य धान पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना, किसानों की आय में वृद्धि करना तथा जल संरक्षण को प्रोत्साहित करना है। प्रदेश में लगातार फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके तहत अब वैकल्पिक फसलों को अपनाने वाले किसानों को सीधा आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाएगा। योजना के अंतर्गत किसानों को एकीकृत किसान पोर्टल एवं एग्रीस्टैक में पंजीयन कराने के साथ डिजिटल क्रॉप सर्वे में अपनी फसल की जानकारी दर्ज करानी होगी। पात्रता की पुष्टि के बाद सहायता राशि सीधे किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि दलहन एवं तिलहन फसलें न केवल किसानों को बेहतर आर्थिक प्रतिफल देती हैं, बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने में भी सहायक होती हैं। वहीं मोटे अनाज एवं अन्य वैकल्पिक फसलें कम पानी में भी बेहतर उत्पादन देने में सक्षम हैं। इससे भूजल संरक्षण और टिकाऊ कृषि व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे धान के स्थान पर दलहन, तिलहन, मक्का, कपास तथा पोषक अनाज (मिलेट्स) की खेती अपनाकर शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना का अधिकतम लाभ उठाएं।

श्रद्धा महिला मंडल और एसईसीएल बिलासपुर द्वारा वृद्धाश्रम में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बिलासपुर। श्रद्धा महिला मंडल, एसईसीएल बिलासपुर द्वारा दिनांक 08 जून 2026 को माता रानी की कुटिया वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्ध महिलाओं के लिए एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा एवं एसईसीएल परिवार की प्रथम महिला श्रीमती शशि दुहन के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर मंडल की आदरणीय उपाध्यक्षगण भी उपस्थित रहीं। सभी ने वृद्धाश्रम में रह रही वृद्धजनों से आत्मीय संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उनका उत्साहवर्धन किया। शिविर में* डॉ पारुली साहू एवं उनकी टीम द्वारा 25 वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया* गया। शिविर में रक्तचाप (ब्क्क), नाड़ी (क्ष्ठ्ठह्यद्ग), ष्टक्चष्ट, ऋक्चस्न, ॥ड्ढ१ष्, लिवर प्रोफाइल, किडनी प्रोफाइल एवं लिपिड प्रोफाइल सहित विभिन्न जांचें नि:शुल्क की गईं। स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत जरूरतमंद महिलाओं को नि:शुल्क दवाइयों

का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती शशि दुहन ने वृद्धाश्रम की महिलाओं को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया तथा उनके स्वास्थ्य की नियमित देखभाल हेतु प्रतिमाह स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करने की घोषणा की। शिविर के उपरांत वृद्धाश्रम में निवासरत 25 बुजुर्गों को पौष्टिक नाश्ता एवं फल की टोकरियाँ वितरित की गईं, जिससे उनके प्रति स्नेह, सम्मान एवं अपनत्व का भाव व्यक्त किया जा सके। इस सेवा कार्य में समिति की सदस्याओं ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। यह स्वास्थ्य शिविर श्रद्धा महिला मंडल की सामाजिक सेवा, करुणा एवं जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का एक सराहनीय प्रयास रहा, जिससे वृद्धाश्रम की महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त हुआ तथा उनमें सुरक्षा एवं अपनत्व की भावना का संचार हुआ।

वडसा रेलवे स्टेशन पर आधुनिक सिग्नल प्रणाली का सफल कमीशनिंग, रेल परिचालन होगा अधिक संरक्षित एवं दक्ष

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत सिग्नल एवं दूरसंचार निर्माण यूनिट, नागपुर द्वारा वडसा रेलवे स्टेशन पर सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणाली के आधुनिकीकरण का महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस कार्य के अंतर्गत पुरानी वेस्ट्रेस इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) प्रणाली के स्थान पर अत्याधुनिक हिताची इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली स्थापित की गई है तथा स्टेशन यार्ड का पुनर्गठन कर इसे अरमोरी नई ब्रॉडगेज रेल लाइन से जोड़ा गया है। यह जटिल तकनीकी कार्य निर्धारित 5 घंटे के ट्रैफिक ब्लॉक में सफलतापूर्वक पूरा किया गया तथा नई प्रणाली को 07 जून 2026 से चालू किया गया है। इस उन्नयन से वडसा स्टेशन की परिचालन क्षमता में वृद्धि होने के साथ-साथ रेल यातायात और अधिक संरक्षित, विश्वसनीय एवं सुचारु हो सकेगा। नई व्यवस्था के अंतर्गत अत्याधुनिक आई.पी.एस. विद्युत आपूर्ति प्रणाली, हिताची इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग तथा फायर अलार्म सिस्टम स्थापित किए गए हैं। इस प्रणाली के माध्यम से स्टेशन पर कुल 63 रूट, 15 मुख्य सिग्नल, 6 कॉलिंग-ऑन सिग्नल, 8 शंट सिग्नल, 3 रेल लाइनें तथा 31 डीसी ट्रैक सर्किट संचालित किए जा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने से अरमोरी नई ब्रॉडगेज रेल लाइन के साथ बेहतर संपर्क स्थापित होगा तथा भविष्य में क्षेत्र में रेल सेवाओं के विस्तार एवं यातायात की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलेगी। साथ ही, ट्रेनों के परिचालन में संरक्षा, समयपालन और दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे निरंतर आधुनिक तकनीकों को अपनाकर रेल अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने तथा यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं विश्वसनीय रेल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वडसा स्टेशन पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली का सफल कमीशनिंग इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

एसईसीएल मुख्यालय में समर कैंप 2026 का भव्य समापन

बच्चों ने 21 दिनों तक सीखी फिटनेस, रचनात्मकता और नेतृत्व की नई सीख

बिलासपुर। बच्चों की खिलखिलाहट, रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों और उत्साह से सराबोर वातावरण के बीच साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय में आयोजित - एसईसीएल समर कैंप-2026- का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। डीएवी पब्लिक स्कूल, एसईसीएल वसंत विहार में आयोजित समापन समारोह में बच्चों ने योग, नृत्य, संगीत, खेलकूद, कला एवं शिल्प सहित विभिन्न गतिविधियों की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर 21 दिनों की अपनी सीख और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन तथा श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन रहीं। इस अवसर पर एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी, विभागाध्यक्ष, एचआर-जेसीसी प्रतिनिधि, वेलफेयर कमेटी के सदस्य, श्रद्धा महिला मंडल की सदस्याएं, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों ने उपस्थित जनों का मन मोह लिया। योग और फिटनेस प्रदर्शन में जहां अनुशासन एवं एकाग्रता की झलक दिखाई दी, वहीं नृत्य, संगीत एवं कला संबंधी प्रस्तुतियों में बच्चों की कल्पनाशीलता और आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। अभिभावकों ने भी बच्चों में आए सकारात्मक बदलावों और आत्मविश्वास में वृद्धि की सराहना की। अपने संबोधन में श्री हरीश दुहन ने कहा कि समर कैंप केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास का एक प्रभावी मंच है। उन्होंने बच्चों को जीवन में निरंतर सीखते रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और अपनी प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एसईसीएल अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के कल्याण को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। समारोह के दौरान एक पेड़ माँ के नाम- अभियान के अंतर्गत सम्मानित अतिथियों द्वारा पौधरोपण भी किया गया। इस अवसर पर बच्चों को पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया तथा उन्हें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने और पौधों की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। उल्लेखनीय है कि 18 मई से 10 जून 2026 तक आयोजित इस 21 दिवसीय समर कैंप में लगभग 175 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को आयु वर्ग के अनुसार विभिन्न समूहों में विभाजित कर फिटनेस, खेलकूद, योग, संगीत, नृत्य, कला एवं शिल्प, विज्ञान एवं नवाचार, सार्वजनिक वक्तृत्व, नेतृत्व विकास तथा अन्य शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया।

अधिकमास का शुक्र प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित

स नातन धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व माना गया है, जो भगवान शिव को समर्पित होता है। यह व्रत हर महीने की कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को रखा जाता है। मान्यता है कि जो भक्त श्रद्धा और नियमपूर्वक प्रदोष व्रत का पालन करते हैं, उन पर महादेव की विशेष कृपा बनी रहती है और जीवन के कष्टों का नाश होता है। ऐसे में अधिकमास के दौरान आने वाला यह विशेष शुक्र प्रदोष व्रत और भी अधिक फलदायी माना जा रहा है। आइए जानते हैं इस व्रत की तारीख, शुभ मुहूर्त और शिव पूजा की विधि के बारे में पूरी जानकारी। आइए जानते हैं इसकी सही तिथि, शुभ मुहूर्त, पूजा विधि, महत्व और व्रत कथा:

प्रदोष व्रत पूजा विधि

- सुबह स्नान करके स्वच्छ और साफ वस्त्र धारण करें।
- भगवान शिव का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें।
- घर के मंदिर को साफ करें और गंगाजल का छिड़काव करें।
- शिवलिंग या शिव परिवार की प्रतिमा को चौकी पर स्थापित करें।
- "ॐ नम: शिवाय" मंत्र का जाप करते हुए पूजा प्रारंभ करें।
- शिवलिंग का पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल) से अभिषेक करें।
- बेलपत्र, धतूरा, भांग और शमी पत्र अर्पित करें।
- सफेद चंदन, अक्षत और कनेर के फूल चढ़ाएं।
- घी का दीपक जलाकर भगवान शिव के सामने बैठें।
- शिव चालीसा का पाठ करें और प्रदोष व्रत कथा सुनें या पढ़ें।
- अंत में भगवान शिव की आरती करें और पूजा संपन्न करें।

जून प्रदोष व्रत 2026 तिथि

ज्येष्ठ अधिकमास भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित माना जाता है और यह विशेष माह लगभग 3 साल में एक बार आता है। इसी पवित्र अधिकमास में इस बार शुक्र प्रदोष व्रत का संयोग बन रहा है। पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ अधिकमास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 12 जून 2026 को शाम 07:36 बजे से शुरू होकर 13 जून 2026 को शाम 04:07 बजे समाप्त होगी। प्रदोष काल में भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व होता है, इसलिए इस बार प्रदोष व्रत 12 जून 2026 को रखा जाएगा। इसी दिन श्रद्धालु विधि-विधान से महादेव की पूजा-अर्चना करेंगे। चूंकि यह व्रत शुक्रवार के दिन पड़ रहा है, इसलिए इसे शुक्र प्रदोष व्रत कहा जाएगा।

शुक्र प्रदोष व्रत पूजा मुहूर्त

प्रदोष व्रत की पूजा प्रदोष काल में करना अत्यंत शुभ माना जाता है। 12 जून 2026 को प्रदोष काल का शुभ समय शाम 07:36 बजे से 09:20 बजे तक रहेगा। इसी अवधि में भगवान शिव की आराधना करने से विशेष फल और मनोकामनाओं की पूर्ति होने की मान्यता है।

सनातन धर्म में रामलक्ष्मण द्वादशी का विशेष धार्मिक महत्व

स नातन धर्म में रामलक्ष्मण द्वादशी का विशेष धार्मिक महत्व है, जो हर तीन साल में एक बार आता है। ज्येष्ठ अधिक मास के इस पावन महीने के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को 'अधिक रामलक्ष्मण द्वादशी' के रूप में मनाया जाएगा। इस बार इस तिथि पर रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ-साथ 'उन्मीलिनी महाद्वादशी' का बेहद दुर्लभ संयोग बना है। यह दिन भगवान श्री राम, शेषनाग के अवतार लक्ष्मण जी और माता सीता की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। आइए जानते हैं इसकी सही तारीख, शुभ मुहूर्त और इसका क्या महत्व है।

'चंपक द्वादशी' पूजा विधि

इस पावन दिन को 'चंपक द्वादशी' भी कहा जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु, श्री राम या श्री कृष्ण का चंपा के फूलों से श्रृंगार और पूजन करने का विधान है। पूजा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें और व्रत व पूजा का संकल्प लें। इसके बाद एक चौकी पर पीला कपड़ा बिछाकर भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। गवान को पीले या सफेद वस्त्र, चंदन और मुख्य रूप से चंपा के फूलों की माला अर्पित करें। मौसमी फल और घर पर बनी सात्विक मिठाई का भोग लगाएं। फिर दिपक और धुप-बाती जलाए, फिर व्रत कथा का पाठ करें और प्रभु श्री राम के मंत्रो का जाप करें। अंत में आरती करें।

द्वादशी का धार्मिक महत्व

लंबे समय से रुके कार्य होते हैं सिद्ध: मान्यता है कि जो व्यक्ति इस दिन पूरी श्रद्धा से श्री राम और लक्ष्मण जी की पूजा करता है, उसके जीवन में लंबे समय से अटके या बाधित कार्य बिना किसी विघ्न के पूरे हो जाते हैं।

भाइयों के बीच बढ़ता है प्रेम: चूंकि यह दिन राम-लक्ष्मण के आदर्श भाईचारे को समर्पित है, इसलिए इस दिन पूजा करने से परिवार में सुख-शांति आती है और भाइयों के बीच आपसी प्रेम और सौहार्द मजबूत होता है।

अक्षय पुण्य और मोक्ष की प्राप्ति: पुरुषोत्तम मास में की गई पूजा, जप-तप और दान का फल कभी समाप्त नहीं होता (अक्षय रहता है)। इस दिन अन्न, वस्त्र या धन का दान करने से साधक को घोर दरिद्रता से मुक्ति मिलती है और अंत में मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

सीढ़ियों के नीचे क्या रखें और क्या नहीं

वै दिक परंपरा में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व होता है। वास्तु का सीधा संबंध व्यक्ति के जीवन में होने वाला शुभ-अशुभ घटनाओं होता है। अगर किसी घर या प्रतिष्ठान में वास्तु के नियमों का पालन होता है तो वहां पर रहने वाले लोगों के जीवन में सुख-समृद्धि का वास रहता है। वहीं इसके विपरीत अगर घर के वास्तु में किसी तरह का दोष होता है तो आर्थिक परेशानियां, क्लेश और बीमारियों का साया रहता है। ऐसे में घर के निर्माण के दौरान कई तरह के वास्तु के नियमों का पालन किया जाता है। आज हम आपको घर की सीढ़ियों के नीचे क्या रखना चाहिए और क्या नहीं।

घर में बनी सीढ़ियों के नीचे क्या रखें

- वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में बनी सीढ़ियों के नीचे के खाली स्थान को हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए। इस स्थान पर हल्का सामान ही रखें क्योंकि इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव हमेशा बना रहता है।
- सीढ़ियों के नीचे शुभ माने जाने वाले और सकारात्मक पौधे को रखना बहुत ही अच्छा माना जाता है। इससे घर में जल्दी से वास्तु दोष नहीं पैदा होता है।
- वास्तु के अनुसार सीढ़ियों के नीचे खाली जगह का इस्तेमाल छोटी बुक शेल्फ के रूप में किया जा सकता है। लेकिन यहां पर ध्यान दें कोई भी कबाड़ या बेकार की चीजें जमा ना होने पाए।
- अगर संभव हो तो सीढ़ियों के नीचे हल्की सजावटी चीजें और आइटिंग को लगाएं। इससे घर में सकारात्मक माहौल बना रहे।

सीढ़ियों के नीचे क्या ना रखें

- सीढ़ियों के नीचे कभी भी मंदिर नहीं बनाना चाहिए। इस स्थान पर मंदिर बनाना वास्तु के नियमों के अनुरूप नहीं होता है। ऐसे करने से पूजा का पूरा फल नहीं मिलता है।
- सीढ़ियों के नीचे कभी भी रसोई नहीं बनवानी चाहिए, इससे वास्तु दोष पैदा होता है और घर में तनाव और कलह की संभावना बढ़ जाती है।
- वास्तु में घर के नीचे कभी भी बाथरूम का निर्माण नहीं करना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ता है।
- सीढ़ियों के नीचे कभी भी भारी कबाड़ या फिर टूटे-फूटी चीजों और बेकार सामान को नहीं रखना चाहिए।
- घर की सीढ़ियों के नीचे कभी तिजोरी आदि नहीं बनवाना चाहिए इससे हर समय आर्थिक नुकसान होता रहता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आप अपने कार्यों को लेकर काफी तत्पर रहेंगे और वरिष्ठों का विश्वास जीतने में सफल होंगे। बिजनेस में नई योजनाओं को लागू करने के लिए दिन अच्छा है, लाभ के योग बनेंगे। लव लाइफ में साथी के साथ आपका आकर्षण बढ़ेगा और रिश्तों में गर्माहट आएगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से आप स्फूर्तिवान रहेंगे, बस गुस्से पर थोड़ा नियंत्रण रखें। कल आप अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव महसूस करेंगे।

वृषभ राशि - करियर के क्षेत्र में काम का दबाव अधिक रहेगा, लेकिन धैर्य से सब संभाल लेंगे। बिजनेस में धन के निवेश के समय पूरी सावधानी बरतें। लव लाइफ में साथी के साथ संवाद बनाए रखें ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी न हो। स्वास्थ्य में आंखों या पैरों की थकान महसूस हो सकती है, इसलिए पर्याप्त आराम करें। कल व्यर्थ की भागदौड़ से बचने की सलाह है। अपने बजट का ध्यान रखें और किसी भी प्रकार के विवाद से दूर रहकर अपने काम पर केंद्रित रहें।

मिथुन राशि - आपकी राशि के एकादश भाव में विराजमान है। करियर में आपकी मेहनत का आपको पूरा फल मिलेगा और कार्यक्षेत्र में प्रशंसा प्राप्त होगी। बिजनेस में अचानक धन लाभ के अच्छे अवसर सामने आ सकते हैं। लव लाइफ में साथी के साथ बेहतरीन समय व्यतीत करेंगे और आप अपने भविष्य को लेकर चर्चा कर सकते हैं। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और आप मानसिक रूप से काफी प्रसन्न महसूस करेंगे। कल आप जो भी नया कार्य शुरू करेंगे, उसमें सफलता की पूरी संभावना है।

कर्क राशि - करियर में आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आपकी पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिजनेस में नई योजनाएं सफल होंगी और व्यापारिक सौदों में लाभ मिलेगा। लव लाइफ में साथी के साथ तालमेल बहुत ही सुंदर रहेगा और आपसी प्रेम में प्रगाढ़ता आएगी। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा है, ऊर्जा का स्तर ऊंचा बना रहेगा। कल कार्यस्थल पर आपकी पहचान एक कुशल रणनीतिकार के रूप में बनेगी।

सिंह राशि - तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे और विदेश यात्रा या लंबी दूरी की यात्रा के योग बन सकते हैं। बिजनेस में कोई बड़ा सौदा फाइनल हो सकता है, जो लाभप्रद रहेगा। लव लाइफ में साथी के साथ आपका रिश्ता और भी गहरा और मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति आप पहले से बेहतर महसूस करेंगे, ऊर्जा का संचार बना रहेगा। कल आप किसी धार्मिक या सामाजिक कार्य में रुचि ले सकते है।

कन्या राशि - आपके लिए थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के अष्टम भाव में गोचर कर रहा है। करियर में अपने सहकर्मियों से सतर्क रहें और फालतू की बातों में समय न गंवाएं। बिजनेस में अभी किसी भी प्रकार के बड़े निवेश को टालना ही बेहतर होगा। लव लाइफ में साथी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है। स्वास्थ्य में पेट या पाचन से जुड़ी समस्याओं के प्रति सचेत रहें, हल्का भोजन लें।

तुला राशि- नई साझेदारी करने के लिए दिन अच्छा है। बिजनेस में मुनाफा बढ़ेगा, लेकिन खर्चों पर भी नियंत्रण रखना होगा। लव लाइफ में साथी के साथ कहीं बाहर जाने का मौका मिल सकता है, जिससे मूड अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन सामान्य है, बस नियमित व्यायाम करते रहें। कल आप अपने लक्ष्यों के प्रति काफी गंभीर रहेंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद साबित होगा।

वृश्चिक राशि - यह स्थान रोगों और शत्रुओं पर विजय दिलाने में मददगार साबित होगा। करियर में पुरानी मेहनत का फल मिलेगा और विरोधी शांत रहेंगे। बिजनेस में लाभ की अच्छी स्थिति बनी रहेगी। लव लाइफ में साथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे और आप दोनों एक-दूसरे की भावनाओं को बेहतर समझेंगे। स्वास्थ्य में सुधार आएगा और आप नई स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। कल का दिन कठिन कार्यों को पूरा करने के लिए उपयुक्त है।

धनु राशि- आपकी राशि के पंचम भाव में संचरण कर रहा है। करियर में रचनात्मक विचारों की प्रशंसा होगी और आप अपने काम में निखार ला पाएंगे। बिजनेस में कोई बड़ा लाभ मिल सकता है, बशर्ते आप सही योजना बनाएं। लव लाइफ में साथी के साथ हल्की-फुल्की नोकझोंक हो सकती है, लेकिन अंत में सब ठीक हो जाएगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मकर राशि - बिजनेस में सावधानी से काम लें और कोई बड़ा फैसला न लें। लव लाइफ में साथी के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा धैर्य दिखाना होगा। स्वास्थ्य में माता-पिता की सेहत का विशेष ध्यान रखें। कल व्यर्थ की बातों में समय बर्बाद करने से बचें और अपने काम पर पूरी तरह ध्यान लगाएं। घर के वातावरण को शांत रखने की कोशिश करें, ध्यान और योग करने से मानसिक तनाव कम होगा।

कुंभ राशि- करियर में आपके साहस और पराक्रम की सराहना होगी, जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा। बिजनेस में नए संपर्क बनेंगे जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होंगे। लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ता और भी अधिक गहरा होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, आप पूरी तरह से ऊर्जावान महसूस करेंगे। कल आप किसी पुराने मित्र से मिल सकते हैं, जिससे मन बहुत प्रसन्न होगा। किसी भी प्रकार का नया कार्य शुरू करने के लिए दिन उत्तम है।

मीन राशि- धन संबंधी मामलों में बहुत सतर्क रहें और सोच-समझकर ही पैसा खर्च करें। बिजनेस में किसी को भी बिना सोचे-समझे उधार न दें। लव लाइफ में वाणी पर संयम रखें, अन्यथा वाद-विवाद होने की आशंका है। स्वास्थ्य की दृष्टि से गले या खान-पान का विशेष ध्यान रखें। कल आपको अपने निवेशों की समीक्षा करने की आवश्यकता हो सकती है।

गर्मियों में बिना टैनिंग के दिखना है ग्लैमरस

ग र्मियों के मौसम में फैशन एक्सपेरिमेंट का बेहतर मौका मिलता है लेकिन तेज धूप और टैनिंग का खतरा भी बढ़ जाता है। हर लड़की चाहती है कि वह स्टाइलिश और ग्लैमरस दिखे, लेकिन गर्मियों में सूरज की हानिकारक किरणों से त्वचा को भी बचाना होता है। खासकर तब जब आपको घर से बाहर निकलना है और ज्यादा समय बाहर ही बिताना हो। गर्मी से राहत पाने के लिए लड़कियां स्लीवलेस, नूडल स्ट्रेप या कई तरह के ऐसे परिधानों का चयन करना चाहती हैं जो स्टाइल, ग्लैमर के साथ ही गर्मी व पसीने से राहत देने वाले हों लेकिन इस तरह के परिधानों से टैनिंग की समस्या भी हो सकती है। इस मौसम में दफ्तर, कॉलेज, सफर या आउटिंग के लिए जाने से पहले सही आउटफिट चुनना बेहद जरूरी हो जाता है। सही फैब्रिक, रंग और स्टाइल चुनकर आप न सिर्फ अपने लुक को अपग्रेड कर सकती हैं बल्कि टैनिंग से भी बच सकती हैं। फुल-कवरेज आउटफिट्स, हल्के और ब्रीदेबल फैब्रिक्स और स्मार्ट लेयरिंग आपका बेस्ट फैशन स्टेटमेंट बन सकते हैं। यहां जानिए ऐसे आउटफिट आइडियाज जो आपको ग्लैमरस लुक भी देंगे और साथ ही आपकी स्किन को भी सुरक्षित रखेंगे। अगर आप स्टाइल और स्किन केयर का परफेक्ट कॉम्बिनेशन चाहती हैं तो ये गाइड आपके लिए ही है।

फुल-स्लीव्स चुनें: गर्मियों में लोग अक्सर शॉर्ट कपड़े पहनते हैं, लेकिन ये टैनिंग का सबसे बड़ा कारण बनते हैं। आप फुल-स्लीव्स टॉप या फुल लेंथ आउटफिट को अपनाएं। ये टैनिंग से बचाते हैं।

मैक्सी ड्रेस: गर्मियों में फुल लेंथ आउटफिट का चयन कर सकती हैं। मैक्सी ड्रेस स्टाइल, ग्लैम और गर्मी से राहत देने वाली होती है। ध्यान रखें कि ड्रेस की बाजुएं फुल हों या फिर साथ में श्रग या जैकेट को पेयर करके पहनें ताकि टैनिंग से पूरी तरह से बचाव हो सके। साथ में स्कार्फ को भी स्टाइल कर सकती हैं।

पलाजो या को- आर्ड सेट: आप पलाजो के साथ लॉन्ग या शॉर्ट कुर्ता पेयर कर सकती हैं। स्टाइलिश लुक के लिए आजकल को-आर्ड सेट चलन में हैं। इसमें एलिगेंट और ग्लैमरस लुक मिलता है। साथ ही आपकी स्किन को धूप से बचाता है।

स्मार्ट लेयरिंग है गेम-चेंजर: घर के बाहर निकलते समय गर्मी, धूप और सूरज की यूवी किरणों से अपनी स्किन को कवर करने के लिए श्रग, किमोनो जैकेट या लाइटवेट ओवरशर्ट्स पहनना एक ट्रेंडी तरीका है। ये आपके आउटफिट में स्टाइल जोड़ते हैं और सीधी सन एक्सपोजर से भी बचाते हैं।

गर्मियों के लिए फैशन टिप्स

कॉटन, लिनन और रेयॉन जैसे हल्के और ब्रीदेबल फैब्रिक्स गर्मियों के लिए परफेक्ट होते हैं। ये पसीना सोखते हैं और स्किन को ठंडा रखते हैं। सिंथेटिक फैब्रिक से बचें क्योंकि ये गर्मी को ट्रैप करते हैं और स्किन डैमेज बढ़ा सकते हैं। डार्क कलर्स सूरज की गर्मी को ज्यादा एब्जॉर्ब करते हैं, जिससे स्किन पर असर बढ़ता है। इसके बजाय व्हाइट, बेज, पेस्टल पिंक, स्काई ब्लू जैसे हल्के रंग पहनें। ये न सिर्फ आपको फ्रेश लुक देते हैं बल्कि गर्मी से भी बचाते हैं।

हैट, सनग्लासेस और स्कार्फ जैसे एक्सेसरीज न सिर्फ आपके लुक को कम्प्लीट करते हैं बल्कि स्किन और बालों को भी प्रोटेक्ट करते हैं। एक वाइड-ब्रिम हैट आपके चेहरे और गर्दन को सीधी धूप से बचाता है।

घर पर ढीली जींस को कैसे करें टाइट?

जींस लगभग हर किसी की वॉर्डरोब का अहम हिस्सा होती है। यह स्टाइलिश होने के साथ-साथ आरामदायक भी होती है, इसलिए लोग इसे रोजमर्रा से लेकर खास मौकों तक पहनना पसंद करते है। लेकिन कई बार वजन कम होने, बार-बार पहनने या फैब्रिक के ढीला पड़ने की वजह से जींस लूज हो जाती है। ऐसी स्थिति में लोग नई जींस खरीदने या टेलर के पास जाने के बारे में सोचने लगते हैं। हालांकि, हर बार ऐसा करना जरूरी नहीं होता। अगर आपकी पसंदीदा जींस कमर, जांघों या पैरों से ढीली हो गई है, तो कुछ आसान घरेलू उपायों की मदद से उसे दोबारा बेहतर फिटिंग दी जा सकती है। खास बात यह है कि इन तरीकों के लिए आपको किसी महंगे उपकरण या सिलाई मशीन की जरूरत नहीं पड़ेगी। कुछ साधारण ट्रिक्स अपनाकर आप अपनी जींस को पहले से ज्यादा फिट और स्टाइलिश बना सकते हैं। हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि अलग-अलग फैब्रिक पर अलग-अलग तरीके काम करते हैं। इसलिए किसी भी उपाय को अपनाने से पहले जींस के फैब्रिक और केयर इंस्ट्रक्शन को जरूर समझ लें। आइए जानते हैं घर पर ढीली जींस को टाइट करने के कुछ आसान और लोकप्रिय तरीके।

लौकी दही तड़का

ग र्मी का मौसम आते ही सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि आखिर ऐसा क्या बनाया जाए जो जल्दी भी बन जाए, खाने में हल्का भी हो और शरीर को ठंडक भी दे। तेज गर्मी में लंबे समय तक किचन में खड़े होकर खाना बनाना किसी चुनौती से कम नहीं लगता। ऐसे में लोग ऐसी रेसिपी ढूंढते हैं जो कम मेहनत में तैयार हो जाए और पूरा परिवार भी स्वाद लेकर खाए, अगर आपका भी खाना बनाने का मूड नहीं बन रहा, तो लौकी दही तड़का आपके लिए शानदार ऑप्शन हो सकता है।

यह डिश सिर्फ 10-15 मिनट में तैयार हो जाती है और इसका स्वाद इतना मजेदार होता है कि बच्चे से लेकर बड़े तक सब उंगलियां चाटते रह जाते हैं। लौकी की हल्की तासीर और दही की ठंडक मिलकर इसे गर्मियों के लिए परफेक्ट बनाती है। सबसे खास बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा मसाले या भारी चीजों की जरूरत नहीं पड़ती। यह पेट के लिए भी हल्की होती है और लंच या डिनर दोनों में आसानी से सर्व की जा सकती है, अगर आप भी गर्मी में कुछ अलग और झटपट बनने वाली रेसिपी ट्राई करना चाहते हैं, तो लौकी दही तड़का जरूर बनाकर देखें।

गर्मियों में क्यों खास है लौकी दही तड़का?

गर्मी के दिनों में शरीर को ठंडा रखने वाली चीजें खाना बेहद जरूरी होता है। लौकी में पानी की मात्रा काफी ज्यादा होती है, जिससे बॉडी हाइड्रेट रहती है। वहीं दही पेट को ठंडक देने के साथ डाइजेशन को भी बेहतर बनाने में मदद करता है। यही वजह है कि लौकी दही तड़का गर्मियों के लिए एकदम फिट डिश मानी जाती है। यह रेसिपी उन लोगों के लिए भी बढ़िया है जो ज्यादा ऑयली या मसालेदार खाना पसंद नहीं करते। हल्का होने की वजह से इसे खाने के बाद भारीपन महसूस नहीं होता।

लौकी दही तड़का बनाने के लिए सामग्री

-1 छोटी लौकी कद्दूकस की हुई,-1 I5 कप ताजा दही,-1-2 हरी मिर्च,-

आधा इंच अदरक,-बारीक कटा हरा धनिया,-स्वादानुसार नमक,-1/4 छोटी चम्मच काला नमक,-1/2 छोटी चम्मच भुना जीरा पाउडर,तड़के के लिए,-1 बड़ा चम्मच घी या तेल,-1/2 छोटी चम्मच राई,-1/2 छोटी चम्मच जीरा,-1 चुटकी हींग,-7-8 कढ़ी पत्ते,-1 सूखी लाल मिर्च

बनाने की आसान विधि

सबसे पहले कद्दूकस की हुई लौकी को एक बर्तन में डालें और थोड़ा सा पानी मिलाकर मध्यम आंच पर 5 से 7 मिनट तक पकाएं। जब लौकी नरम हो जाए, तो गैस बंद कर दें और उसे पूरी तरह ठंडा होने दें। अब एक बड़े बाउल में ताजा दही लें और उसे अच्छी तरह फेंट लें। इसमें बारीक कटी हरी मिर्च, कद्दूकस किया हुआ अदरक, भुना जीरा पाउडर, नमक और काला नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें। इसके बाद ठंडी हो चुकी लौकी को दही में डालें और अच्छी तरह मिला लें। अब बारी आती है तड़के की, जो इस डिश का स्वाद कई गुना बढ़ा देता है।

आम के अचार बनाने के टिप्स

ग र्मियों के मौसम में बाजार में कच्चे आम आना शुरू हो जाते हैं। यही वो टाइम होता है जब हर घर की छत पर आम सूखते हुए नजर आते हैं। इनसे बहुत ही स्वादिष्ट आम का अचार तैयार किया जाता है, जो पूरे सालभर चलता है। हर घर में आम का अचार अलग तरीके से बनता है। मसाले कुछ कम-ज्यादा पड़ते हैं, लेकिन एक चीज जो सेम रहती है वो है सरसों का तेल। अचार लंबे समय तक फ्रेश रहे और मसालों में अच्छी तरह लिपट जाए, इसके लिए सरसों का तेल इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि कितने किलो आम में कितना तेल डाला जाए ये अक्सर कन्फ्यूज करता है। साथ ही कौन से मसाले और कितनी मात्रा में डाले जाएं, ये सब बातें भी अक्सर अचार बनाते हुए परेशान करती हैं। तो चलिए आज आपको इनका परफेक्ट मेजरमेंट बताते हैं, ताकि अगली बार आपका आम का अचार बिल्कुल परफेक्ट बनें।

1 किलो आम का अचार बनाने में कितना तेल डालें

अगर आपको पारंपरिक तरीके वाला आम का अचार बनाना है तो उसमें सही मात्रा में तेल डालना बहुत जरूरी होता है। तेल कम रह जाए तो मसाले ठीक है मिल नहीं पाते और अचार भी जल्दी खराब हो जाता है। वहीं ज्यादा तेल से अचार का स्वाद और टेक्चर खराब हो सकते हैं। ऐसे में ये अनुपात नोट कर लीजिए। अगर आप एक किलो कच्चे आम का अचार बना रहे हैं तो लगभग एक कप सरसों का तेल यानी लगभग 200 मिली के करीब तेल इस्तेमाल होगा। इसी अनुपात के हिसाब से आप जितने किलो भी आम ले रही हैं, तेल की मात्रा को एडजस्ट कर लें। **काम की टिप:** अगर आपका अचार बहुत जल्दी खराब हो जाता है, तो इसे किसी कंटेनर में डालते वक्त दो चम्मच सिरका एड कर दें। सिरका मिलाने से अचार सालों-साल खराब नहीं होगा।

तेल को गर्म करें या नहीं?

हर घर में अचार बनाने का तरीका अलग होता है। कुछ लोग सरसों के तेल को थोड़ा गर्म कर के डालते हैं, तो कुछ घरों में ठंडा तेल ही डाल दिया जाता है। हालांकि अगर आप बिल्कुल पारंपरिक दादी-नानी वाले तरीके से अचार बनाना चाहते हैं तो सरसों का तेल ठंडा ही इस्तेमाल करें। इसकी तीखी गंध और फ्लेवर तेल में बहुत अच्छी खुशबू एड करता है, जिससे अचार और भी ज्यादा टेस्टी बनता है।

एक किलो आम के अचार में कितने और कौन से मसाले मिलाएं?

सबसे पहले धूप में कच्चे आम के टुकड़े सुखा लें। फिर इनमें दो चम्मच नमक और एक चम्मच हल्दी पाउडर लगाकर एक दिन के लिए रख दें, ताकि ये पूरी तरह सॉफ्ट हो जाएं। अब अचार के लिए मसाला भून लें। एक पैन में 2 चम्मच मेथी दाना, 4 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच जीरा, साबुत पीली सरसों (4 चम्मच) को मीडियम फ्लेम पर एक से दो मिनट के लिए भून लें। इसके ठंडा होने पर हल्का दरदरा सा पीस लें। अब नमक-हल्दी लगे आम के टुकड़ों में ये मसाला एड करें, साथ में 1 चम्मच हल्दी पाउडर, दो चम्मच नमक, दो चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च, 1 चम्मच अजवाइन, 1 चम्मच कलौंजी, आधा चम्मच हींग और सरसों तेल डालकर मिक्स कर लें। अब अचार को दो-तीन दिन धूप में रख दें, ये बंजर तैयार हो जाएगा।

सिल्वर बैंगल्स के साथ बनाएं कांच की चूड़ियों के सेट

कोई भी ट्रेडिशनल आउटफिट हो, पूरा लुक तब तक अधूरा ही लगता है, जबतक हाथों में सुंदर-सुंदर चूड़ियां ना हों। चूड़ियां हमेशा से ही भारतीय महिलाओं के श्रृंगार का हिस्सा रही है, लेकिन आजकल तो ये अपने आप में ही एक फैशन स्टेटमेंट भी बन चुकी हैं। खासकर सिल्वर बैंगल्स के साथ अगर चूड़ियों का सेट बनाकर पहना जाए, तब तो बड़ा ही सुंदर लुक आता है। सूट, साड़ी या लहंगे के साथ आप इसी तरह से सेट बनाकर बैंगल्स वियर कर सकती हैं। यहां हम आपके लिए कुछ आइडियाज ले कर आए है, जिनकी हेल्प से आप चूड़ियों और सिल्वर बैंगल्स का सुंदर सा सेट बना सकती हैं। आइए एक-एक कर के देखते हैं।

स्टेटमेंट घुंघरू बैंगल्स के साथ बनाएं सेट

आजकल घुंघरू बैंगल्स का ट्रेंड है। ऐसे में आप भी थोड़े हेवी स्टेटमेंट घुंघरू बैंगल्स का पेयर ले कर सकती हैं। इन्हें कुछ इस तरह से चूड़ियों के बीच में सेट कर के पहनें, बहुत ही मॉडर्न और स्टाइलिश लुक आएगा। डेली वियर में या फिर किसी छोटे मोटे फंक्शन में इसी तरह से आप अपनी चूड़ियों का सेट बनाकर पहन सकती हैं।

वेलवेट चूड़ियों के साथ सिल्वर बैंगल्स

आपके पास सिल्वर बैंगल्स का पूरा सेट है, तो बीच में सिर्फ दो दो चूड़ियां लगाकर भी सुंदर सा सेट बनाया जा सकता है। इससे बैंगल्स आपके आउटफिट की मैचिंग के भी लगेंगे और उनका लुक भी खराब नहीं होगा। आप चाहें तो सिर्फ एक हाथ में इस तरह का बैंगल सेट पहन सकती हैं, बहुत ही स्टाइलिश लगता है।

कश्मीरी बैंगल्स के साथ चूड़ियां

कश्मीरी घुंघरू वाले बैंगल्स का एक सेट सिल्वर में भी आपके पास जरूर होना चाहिए। इन्हें आप अपने आउटफिट के मैच की चूड़ियों के साथ पेयर कर सकती हैं। बहुत ही प्यारा लुक आता है।

डौंडी विकासखंड के ग्राम धोरीटेमा निवासी और असम राइफल्स के जवान भोजराम साहू को सैन्य सम्मान 'शौर्य चक्र' से नवाजा गया

बल्लीराजहरा। जिले के डौंडी विकासखंड के ग्राम धोरीटेमा निवासी और असम राइफल्स के जवान भोजराम साहू को उनकी अदम्य वीरता और कर्तव्यपरायणता के लिए देश के प्रतिष्ठित नागरिक सैन्य सम्मान 'शौर्य चक्र' से नवाजा गया है। राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में 08 जून को आयोजित गरिमामय समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने जिले के वीर जवान भोजराम साहू की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर सराहना व्यक्त की है। कलेक्टर मिश्रा ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए जवान भोजराम साहू की उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें और उनके परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि वीर जवान भोजराम साहू के द्वारा वर्ष 2025 में मणिपुर के टेंगनौपाल क्षेत्र में आतंकवादियों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान मातृभूमि की रक्षा के लिए जो अदम्य साहस एवं वीरता का परिचय दिया है वह वास्तव में काबिले-तारीफ एवं अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि साहू द्वारा मातृभूमि की रक्षा के लिए एवं कर्तव्य परायणता के अतुलनीय कार्यों के फलस्वरूप उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों प्रतिष्ठित शौर्य चक्र से सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ है। उनके इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से संपूर्ण जिला गौरवान्वित हुआ है। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने कहा कि जवान भोजराम ने अपनी बहादुरी से न सिर्फ छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है, बल्कि युवाओं के लिए देशभक्ति और प्रेरणा की एक मिसाल पेश की है।

उल्लेखनीय है कि असम राइफल्स के जवान भोजराम साहू को यह सम्मान वर्ष 2025 में मणिपुर के टेंगनौपाल क्षेत्र में आतंकवादियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन में दिखाए गए अदम्य साहस के लिए मिला है। अभियान के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर घात लगाकर अचानक हमला कर दिया था। ऐसी अत्यधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच भोजराम ने अपनी जान की परवाह न करते हुए आगे बढ़कर मोर्चा संभाला। उन्होंने बेहद नजदीक से आतंकियों पर जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान उन्हें एक गोली भी लगी, लेकिन घायल होने के बावजूद वे पीछे नहीं हटे और अपनी जिम्मेदारी पर डटे रहे। उनके इस अदम्य साहस ने अभियान को सफल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई। बालोद जिले के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के राष्ट्रपति भवन में शौर्य चक्र हासिल करने वाले भोजराम साहू की इस सफलता से पूरे जिले और छत्तीसगढ़ राज्य में हर्ष का माहौल है।

सुशासन तिहार का समापन, विधायक दीपेश साहू ने सुनीं जनसमस्याएं और हितग्राहियों को किया लाभान्वित

जनसमस्या निवारण शिविर में उमड़ा जनविश्वास, शासन की योजनाओं का मिला सीधा लाभ

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सुशासन, पारदर्शिता एवं जनकल्याण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित सुशासन तिहार 2026 का समापन आज विकासखंड बेरला के ग्राम पंचायत रेवे में आयोजित विशाल जनसमस्या निवारण शिविर के साथ सफलतापूर्वक संपंन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता कर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा अपनी समस्याओं एवं मांगों से प्रशासन को अवगत कराया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक दीपेश साहू ने नागरिकों की समस्याएं एवं मांगें गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभ वितरित कर प्रमाण-पत्र एवं स्वीकृति पत्र प्रदान किए।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा शासन का लाभ : विधायक दीपेश साहू

शिविर को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के सिद्धांतों पर कार्य करते हुए आम नागरिकों के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और विकास लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से शासन एवं प्रशासन स्वयं गांव-गांव पहुंचकर नागरिकों की समस्याओं का समाधान कर रहा है। इससे लोगों को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्क र लगाने से राहत मिल रही है तथा समयबद्ध तरीके से उनकी समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित हो रहा है।

हितग्राहियों को मिला विभिन्न योजनाओं का लाभ

शिविर के दौरान पात्र हितग्राहियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, श्रम एवं सामाजिक कल्याण योजनाओं सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। विधायक साहू ने नागरिकों से शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया तथा कहा कि जनभागीदारी से ही विकास की प्र या को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। शिविर में जिला प्रशासन के अधिकारियों ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, उपलब्ध सेवाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी ग्रामीणों को दी। साथ ही प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण की दिशा में आवश्यक कार्यवाही भी की गई। उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिले में नागरिकों की समस्याओं के समाधान एवं शासन की योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर शिविरों का आयोजन किया गया। जिले के नगरीय निकाय क्षेत्रों में 15 तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 23, कुल 41 जनसमस्या निवारण शिविरों का सफल आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत रेवे में आयोजित अंतिम शिविर के साथ जिले में सुशासन तिहार का सफल एवं प्रभावी समापन हुआ। इस अवसर पर रजककार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, कलेक्टर सुप्रतिष्ठा ममगाईं, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दीप्ति वर्मा, पूर्व विधायक अवधेश सिंह चंदेल, जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी, जिला पंचायत सभापति प्रीतम चंदेल, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि राजेंद्र शर्मा, बलराम पटेल, सरपंच रघुवीर (पिंटू) सिन्हा, उपसरपंच केदार सिन्हा, दिलीप निषाद, अमृत महेश्वरी, डोमेन्द्र राजपूत, मनहरण साहू, मोहन साहू, थानेश्वर साहू, जगदीश कुर्रे, एन. प्रकाश साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन जनकल्याण, सुशासन और जनसेवा के संकल्प के साथ हुआ, जिसमें नागरिकों ने शासन की जनहितैषी पहल के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

विद्यार्थियों को नैतिक शिक्षा अवश्य देने की हिदायत

वर्षा जल संचयन व सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के निर्देश

डोंगरगांव नगर। जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव के निर्देशानुसार विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय डोंगरगांव में बुधवार को नए शिक्षा सत्र 2026-27 की तैयारियों को लेकर विकासखंड स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक दो पालियों में सम्पन्न हुई, जिसमें प्रथम पाली में प्राचार्य, संकुल समन्वयक एवं माध्यमिक प्रधान पाठक तथा द्वितीय पाली में प्राथमिक प्रधान पाठकों ने भाग लिया। बैठक में विकासखंड शिक्षा अधिकारी जयंत साहू ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार आगामी 16 जून से विद्यालयों में नियमित अध्ययन-अध्यापन प्रारंभ किया जाना है। इसके लिए सभी संस्था प्रमुखों को समय-सारिणी निर्माण, विद्यालयों की साफ-सफाई, कक्षावार व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक तैयारियां 15 जून तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि प्रवेश उत्सव, पाठ्यपुस्तक, साइकिल एवं गणवेश वितरण कार्यक्रम स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित किए जाएं। जल एवं विद्युत समस्याओं के समाधान हेतु विद्यालयों में वर्षा जल संचयन तथा सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया। बैठक में जर्जर विद्यालय भवनों की जानकारी संकलित करने, वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने, डीटीएच स्मार्ट क्लास के नियमित संचालन, पॉक्सो बॉक्स की सक्रियता, छात्रवृत्ति, आधार अपडेशन, एमबीयू, दैनिक डायरी एवं विभिन्न शैक्षणिक अभिलेखों के संधारण पर भी चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव प्रवास बघेल, सेजेस राजनांदगांव के प्राचार्य अमित भोज एवं एडीबीओ सिन्हा का आगमन हुआ। सिन्हा ने विद्यालय भवन, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति, वीएसके एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने, स्मार्ट क्लास, व्यवसायिक शिक्षा एवं अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) के संचालन पर विस्तार से चर्चा की। वहीं प्राचार्य अमित भोज ने शिक्षा का अधिकार (आरटीई) संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यालयों को परिवार की तरह संचालित करने, पेंशन प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण, सेवा पुस्तिका संधारण, दैनिक डायरी लेखन, विद्यार्थियों को नैतिक शिक्षा प्रदान करने, स्थानीय लेखा-जोखा एवं एसएमसी गठन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य शिक्षण गुणवत्ता में सुधार कर विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना है। इस दौरान जिला मिशन समन्वयक डीएमसी सतीश ब्योहारे, एपीसी, झाड़े सर, अंसारी सर एवं प्रोग्रामर नायक भी उपस्थित रहे। डीएमसी ब्योहारे ने संकुल समन्वयकों के दायित्व, शाला प्रवेश उत्सव, पुस्तक स्कैनिंग एवं यू-डाइस संबंधी कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में विकासखंड के सभी प्राचार्य, संकुल समन्वयक एवं प्रधान पाठक उपस्थित थे।

किसान कांग्रेस की 9 सूत्रीय मांगों को लेकर आज कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव करेगी

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिले के किसानों की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चर्चा की गई और एक बड़ा आंदोलन करने जा रहे हैं वर्तमान में किसान खाद, बीज, बिजली और डीजल की किल्लत से लगातार परेशान हो रहे हैं किसानों की इन्हीं सुलगती समस्याओं को देखते हुए 9 सूत्रीय मांगों के समर्थन में आगामी 11 जून को कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा वर्तमान भाजपा सरकार में किसान चारों तरफसे परेशान हैं। खाद, बिजली, डीजल और धान खरीदी में किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। इसके विपरीत, जब प्रदेश में हमारी कांग्रेस की सरकार थी, तब किसानों को किसी भी तरह की परेशानी या दिक्कत नहीं होने दी गई थी यह सरकार किसान विरोधी साबित हो रही है कांग्रेस के समस्त ब्लॉक अध्यक्षों एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं सभी पदाधिकारियों से कहा गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर तैयारी करें और 11 जून 2026 सुबह 11 बजे भारत रत्न पैलेस के बगल में सभा संबोधित करने पश्चात कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव किया जाएगा उक्त घेराव में ताम्रध्वज साहू पूर्व गृहमंत्री, रविंद्र चौबे पूर्व कृषि मंत्री आशीष छाबड़ा पूर्व विधायक एवं अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा की उपस्तिथि एवं गुरुदयाल सिंह बंजारे पूर्व विधायक नवागढ़ घेराव में शामिल रहेंगे एव वरिष्ठ कांग्रेस जनों की विशेष उपस्थिति एवं जिले के समस्त जिला कांग्रेस के समस्त पदाधिकारी कार्यकारणी, जिला किसान कांग्रेस पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष किसान पदाधिकारी, पूर्व सोसायटी अध्यक्ष (कांग्रेस), सेवा दल, बेमेतरा जिले के समस्त ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गण, शहर कांग्रेस अध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस, अनुसूचित जाति जन जाति, जिला पँचायत सदस्य, जनपद सदस्य कांग्रेस समर्थित, पच सरपंच, जिला महिला कांग्रेस, शहर कांग्रेस, पार्षद पूर्व पार्षद युवा कांग्रेस, एन. यस. यू. आई, के समस्त कांग्रेस प्रकोस्ट की उपस्थिति में इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में किसानों और कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचें।

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की हुई बैठक

बल्लीराजहराजिला। स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में एडीशनल पुलिस अधीक्षक मोनिका ठाकुर, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक विशेष रूप से उपस्थित थे। इस बैठक में जिले में सड़क दुर्घटना के रोकथाम के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। एडीशनल एसपी मोनिका ठाकुर ने नशापान एवं तेज गति से ड्राइविंग को सड़क दुर्घटना का प्रमुख कारण मानते हुए पुलिस एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को इसके लिए पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में ठाकुर ने पुलिस, यातायात एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमित रूप से जाँच अभियान चलाकर शराब पीकर एवं तेज गति से वाहन चलाने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चलाने वालों के विरूद्ध भी कड़ी कार्रवाई करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने वाहन चालकों के लायसेंस जांचकर बिना लायसेंस के वाहन चलाने वालों के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। एडीशनल एसपी मोनिका ठाकुर ने जिले में सड़क दुर्घटना के रोकथाम हेतु किए जा रहे उपायों के संबंध में बैठक में उपस्थित अधिकारियों से जानकारी ली। इसके अंतर्गत उन्होंने सड़कों एवं चैक-चैराहों में विचरण करने वाले मवेशियों की रोकथाम के अलावा गुड सेमेरिटन के कार्यों के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों से जिले में सड़क दुर्घटना के रोकथाम के पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने हेतु सुझाव भी लिया। इस दौरान अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने सड़क दुर्घटना के रोकथाम के उपायों के संबंध में आवश्यक सुझाव भी दिए। बैठक में कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, जिला परिवहन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

वैशाली नगर को विकास की बड़ी सौगात : विधायक रिकेश सेन के प्रयास से 5.25 करोड़ के विकास कार्यों को मिली मंजूरी

भिलाई नगर। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई रफ्तार मिलने जा रही है। क्षेत्रीय विधायक रिकेश सेन के सतत प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री नगरीय स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम क्षेत्र में विभिन्न आधारभूत विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ 25 लाख 47 हजार रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इस स्वीकृति से क्षेत्र के हजारों नागरिकों को बेहतर सड़क, जल निकासी और मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

वर्षों पुरानी मांगों को मिली स्वीकृति- स्वीकृत राशि से प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम क्षेत्र में पहुंच मार्ग निर्माण, नाली निर्माण एवं विद्युतीकरण जैसे आवश्यक कार्य कराए जाएंगे। लंबे समय से क्षेत्रवासी इन सुविधाओं की मांग कर रहे थे। विधायक रिकेश सेन ने इन जनहित से जुड़े मुद्दों को लगातार शासन स्तर पर उठाया, जिसके परिणामस्वरूप अब इन विकास कार्यों को मंजूरी मिली है।

विकास को लेकर निरंतर सक्रिय विधायक- वैशाली नगर के समग्र विकास के लिए विधायक रिकेश सेन लगातार राज्य शासन और संबंधित विभागों के संपर्क में रहे। क्षेत्र की जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने विकास प्रस्तावों को मजबूती से आगे बढ़ाया और शीघ्र स्वीकृति के लिए निरंतर प्रयास किए। उनकी सक्रियता के चलते यह महत्वपूर्ण परियोजना धरातल पर उतरने जा रही है।

राज्य सरकार व मंत्री का व्यक्त किया आभार- विकास कार्यों की स्वीकृति मिलने पर विधायक रिकेश सेन ने राज्य सरकार तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्री के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि सरकार की जनहितकारी सोच और सकारात्मक दृष्टिकोण के कारण वैशाली नगर को यह बड़ी सौगात मिली है।

क्षेत्रवासियों को मिलेगा सीधा लाभ- इन विकास कार्यों के पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को बेहतर और सुरक्षित सड़कें, जलभराव से राहत, आधुनिक नाली व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट एवं विद्युतीकरण की सुविधाएं मिलेंगी। इससे न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि क्षेत्र की सुंदरता और आधारभूत ढांचे में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा।

इस स्वीकृति को वैशाली नगर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नवीन नियमों पर कार्यशाला आयोजित

बेमेतरा। स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला पंचायत बेमेतरा में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नवीन नियमों एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभापति एवं सभी जिला पंचायत सदस्यों सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जनप्रतिनिधियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े नवीन प्रावधानों, उनके व्यावहारिक क्रियान्वयन तथा ग्राम पंचायतों एवं स्थानीय निकायों की जिम्मेदारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में विशेषज्ञों एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की वर्तमान चुनौतियों, पर्यावरणीय प्रभावों तथा उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई 7 प्रशिक्षण सत्र के दौरान कचरे के स्रोत स्तर पर पृथक्करण, संग्रहण, परिवहन, पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) तथा वैज्ञानिक निस्तारण की प्रक्रियाओं को सरल एवं व्यवहारिक तरीके से समझाया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का प्रभावी पालन न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा तथा सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जनप्रतिनिधियों को यह भी बताया गया कि ग्राम पंचायतें एवं स्थानीय निकाय स्वच्छता अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए समुदाय आधारित पहल, जनजागरूकता अभियान तथा नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। कार्यशाला में ग्रामीण क्षेत्रों में कचरा प्रबंधन के सफल मॉडलों एवं नवाचारों की जानकारी भी साझा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन, जनजागरूकता बढ़ाने तथा जनसहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर सहायक संचालक पंचायत भूमिका देसाई सहित जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के सभी समन्वयक, जिला पंचायत के जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नवीन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन, स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यशाला को स्वच्छ एवं विकसित ग्रामों की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा गया।

आदिवासी महासम्मेलन स्थगित

दल्लीराजहरा । डौंडीलोहारा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खलारी में 11 जून 2026 को आयोजित होने वाला आदिवासी महासम्मेलन अपरिहार्य कारणों से आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। इस बात की जानकारी देते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रतीराम राम कोसमा ने बताया कि यह महासम्मेलन आदिवासी समाज के जल, जंगल, जमीन, पर्यावरण एवं संवैधानिक अधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को लेकर आयोजित किया जाना था। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए क्षेत्रीय विधायक अनिला भेंड़िया एवं कांग्रेसजनों द्वारा लगातार बैठकें एवं जनसंपर्क अभियान चलाए जा रहे थे। आयोजन समिति एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा जानकारी दी गई है कि कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। महासम्मेलन की नई तिथि की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी, जिसकी सूचना सभी कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं आमजन को पृथक रूप से प्रदान की जाएगी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दल्ली राजहरा ने क्षेत्र के समस्त कांग्रेसजनों, आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए आगामी तिथि घोषित होने पर अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

विकासखण्ड बेरला के ग्राम पंचायत रेवे में समाधान शिविर

बेमेतरा। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनपद पंचायत बेरला के ग्राम पंचायत रेवे में आयोजित किया गया है। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे निर्धारित किया गया है। समाधान शिविर में विभिन्न योजनाओं से पात्र अनेक हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। शिविर में प्राप्त आवेदनों का यथासंभव निराकरण किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। शिविर में शासन द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने ग्रामीण जनों को शिविर में उपस्थित होकर शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com